तापमान
अधिकतम 21.0 डिग्री
न्यूनतम 8.0 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार 18 जनवरी 2026

12 डेयरी उद्यमिता को बढ़ावा देंगे, किसान बनेंगे आत्मनिभर

12 गुजवि के एनएसएस स्वयंसेवकों का विशेष दल केरल के लिए रवाना

खबर संक्षेप

हड़ताल बारे 19 को सौंपेंगे जिला प्रशासन को नोटिस

हिसार। विभिन्न ट्रेड यूनियनों, कर्मचारी और किसान संगठनों के आह्वान पर आगामी 12 फरवरी प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर सर्व कर्मचारी संघ और सीटू 19 जनवरी को जिला प्रशासन हिसार को सूचना स्वरूप नोटिस सौंपेंगे। सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान अशोक सैनी जिला, सचिव ओमप्रकाश माल और प्रेस प्रवक्ता नूर मोहमद ने बताया कि सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा भी इस हड़ताल में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेगा।

नए कानूनों के बारे में लोगों को किया जागरूक

नारनौंद। डीएसपी देवेंद्र नैन ने थाना बास में गांव के मौजीज व्यक्तियों को नशे के दुष्प्रभाव, साइबर फ्रॉड, यातायात नियमों व तीन नए कानूनों के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए डीएसपी ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है।

दो युवक काबू, 8.054 ग्राम हेरोइन बरामद

हिसार। पुलिस की नशा निरोधक टीम ने ऑटो मार्केट से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को काबू करके उनसे 8.054 ग्राम हेरोइन बरामद की है। टीम प्रभारी उप निरीक्षक इंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने गश्त के दौरान ऑटो मार्केट से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को काबू किया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम मोहल्ला सैनियान निवासी मयंक उर्फ गोलू व रोहित बताया।

सामाजिक संस्था, निगम व जिंदल स्टेनलेस ने स्वच्छता अभियान चलाया

कचरा बीनकर तीन ग्रीन बेल्ट को किया चकाचक, गंदगी फैलाने पर होंगे चालान

हिसार। सफाई अभियान में लगी संस्थाओं के पदाधिकारी, बच्चे भी नहीं रहे पीछे। *फोटो : हरिभूमि*

हिसार। सफाई अभियान में बच्चे भी नहीं रहे पीछे। *फोटो : हरिभूमि*

स्वयंसेवी संस्थाओं का प्रयास, शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी बनाया जाए

लोगों को गंदगी से राहत मिलेगी और बीमारियों का खतरा कम होगा

स्वच्छता के लिए प्रशासन के साथ लोगों की भागेदारी भी जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, जिंदल स्टेनलेस तथा नगर निगम के संयुक्त प्रयास से एक मेगा स्वच्छता अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शहर की ग्रीन बेल्टों की साफ़-सफ़ाई करना था, जहां कुछ गैर-ज़िम्मेदार लोगों द्वारा भारी मात्रा में कचरा फैलाया गया था। सभी टीमों ने मिलकर कचरे को बीनकर ग्रीन बेल्टों को स्वच्छ और सुंदर रूप प्रदान किया।

हमारा प्यार हिसार की टीम ने भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और मॉडल टाउन की एक ग्रीन बेल्ट की सफ़ाई की। जिंदल हाउस की ओर से सीमा जाजोदिया व उनकी टीम के सदस्यों ललित शर्मा, प्रीतिका, सुधीर कुमार, रेणु शर्मा, नोहित कोहली आदि ने अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई और हर स्तर पर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया। आने वाले दिनों में हिसार शहर में इस तरह के मेगा सफाई अभियान निरंतर चलाया जाएगा। जिंदल स्टेनलेस और स्वयंसेवी संस्थाओं का प्रयास है कि शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी बनाया जाए। इस स्वच्छता अभियान में सुशील खरींटा, डॉ. एसके गर्ग, डॉ. राज वर्मा, प्रो. हरीश भाटिया, कमल भाटिया, त्रिलोक बंसल, सत्येन्द्र यादव, जितेंद्र बंसल, मनीष गोयल, महिला पर्वतारोही रीना भाटी, सुमन एरन, ममता छाबड़ा, युद्धवीर पानू, विजय कादियान, विक्की रौतेला, अमित गर्ग, पूर्वी बंसल एवं अभिमन्यु ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अभियान को सफल बनाया।

स्वच्छता नियम तोड़े तो होगी कार्रवाई

हिसार। नगर निगम द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमित रूप से कार्रवाई की जा रही है। एएसआई राहुल सैनी, एएसआई राहुल पंवार ने नई सब्जी मण्डी गेट के सामने खुले में कचरा डालने पर तीन व्यक्तियों के चालान किए। वहीं एएसआई प्रवीन व दरोगा मुरारी ने पीएलए स्थित सेकेंडरी पॉइंट पर कचरा डालने पर एक व्यक्ति का चालान किया।

आर्मी के काफिले में घुसकर कार क्षतिग्रस्त, सवारी सुरक्षित

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

हांसी। आर्मी की गाड़ी की चपेट में आने पर क्षतिग्रस्त कार।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सैनीपुरा फ्लाईओवर के समीप शनिवार शाम को हिसार की ओर जा रहे आर्मी काफिले के साथ एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार नजफगढ़ निवासी रोहित अपने परिवार के साथ हिसार के समीप गांव झीरी स्थित बहन के घर पीलिया (लड़का होने पर दिया जाने वाला शगुन) लेकर जा रहा था। जैसे ही उनकी कार सैनीपुरा फ्लाईओवर के पास पहुंची, आगे चल रही एक गाड़ी के सामने अचानक कुत्ता आ गया, जिससे चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। बताया गया कि आगे वाली गाड़ी को ओवरटेक करने के प्रयास में रोहित की कार पास से गुजर रहे आर्मी काफिले के बीच में चली गई, जिससे उसकी कार का संतुलन बिगड़ गया और वह दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के समय कार में दो महिलाएं भी सवार थीं। घटना की सूचना मिलते ही सिसाय पुल चौकी पुलिस मौके पर पहुंची, वहीं आर्मी के जवानों ने भी तुरंत सहायता प्रदान की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे पुलिस की मदद से शीघ्र सामान्य कर दिया गया।

कुत्ता सामने आने से अचानक लागाने पड़े ब्रक

खरड़ अलीपुर आश्रम में देखने को मिल रही भारतीय संस्कृति की झलक

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हवन, सत्संग और गुरु की गहिमा का वर्णन किया

हरिद्वार से आए विद्वानों द्वारा हवन महायज्ञों की श्रृंखला निरन्तर चल रही हैं जिससे पर्यावरण शुद्धि हो रही है। सत्संग में उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रवचन करते हुए स्वामी अमृतानंद जी महाराज ने बताया कि सामर्थ गुरु की शरण में जाकर अपने आप को निछावर कर देता है अर्थात गुरु के वचनों के प्रति समर्पित होकर सद्कर्म करता है तो वह भव बंधन से स्वयं तो दूर हो जाता है।

दरबार साहेब स्वामी दीप्तानंद अवधूत आश्रम खरड़ अलीपुर में सतगुरु बंदी छोड़ हरिहरानंद जी महाराज के 11वें निर्वाण महोत्सव के अवसर पर 108 हवन महायज्ञ 108 अखंड पाठों के दूसरे दिन हजारों की संख्या में संत महात्मा व श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कुरुक्षेत्र आदि अनेक गुरुकुलों से विद्यार्थी अपने प्राचार्य के साथ बड़ा सुंदर सामूहिक सतगुरु बंदी छोड़ महाराज की वाणी का अखंड पाठ सुना रहे हैं, जो आने वाले हर श्रद्धालुओं के मन को भा जाता है, और एक सुंदर भारतीय संस्कृति झलक देखने को मिलती है।

जीवन में अपनाएं ये मंत्र, नहीं होगी आर्थिक परेशानी

अगर आप भी हमेशा अमीर बने रहना चाहते हैं तो पर्सनल फाइनेंस के कुछ मंत्र याद रखें और उन्हें अपने जीवन में अपनाएं। इससे आपको कभी भी पैसे की कमी नहीं होगी। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ मंत्र बताने वाले हैं जो आपके काफी काम के होंगे। इन्हें अपनाकर आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकते हैं और बचत भी कर सकते हैं। आजकल लोगों के लिए पैसा कमाने से भी ज्यादा मुश्किल उसे संभालना हो गया है। ज्यादातर लोगों की सैलरी आते ही खर्च हो जाती है और महीने के आखिरी में उनकी जेब खाली हो जाती है। इसी के साथ-साथ न ही वह कोई बचत कर पाते हैं, क्योंकि महीने के आखिरी तक कुछ बचता ही नहीं। ऐसे में पर्सनल फाइनेंस के पांच नियमों को अपना लें। इससे आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकेंगे और बचत भी कर पाएंगे।

50–30–20 नियम अपनाएं

50–30–20 नियम में 50 का मतलब है कि आपको अपनी सैलरी का 50 प्रतिशत हिस्सा केवल जरूरी खर्चों में खर्च करना है। इसमें घर का किराया, राशन, बिल और अन्य जरूरी खर्चों को शामिल करें। सैलरी का 30% हिस्सा अपने लिए रखें और अपनी जरूरत और अपने इच्छाओं के अनुसार खर्च करें। सैलरी का 20 प्रतिशत हिस्से की बचत करें और निवेश करें।

इमरजेंसी फंड बनाएं

अपने लिए एक इमरजेंसी फंड जरूर बनाएं, जो मुश्किल समय में काम आ सकें। इमरजेंसी फंड 3 से 6 माह के जरूरी खर्च के बराबर जरूर होना चाहिए. यह फंड नौकरी जाने, मेडिकल इमरजेंसी और अचानक आय रुकने की स्थिति में काम आता है। इमरजेंसी फंड आपको वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

ईएमआई इनकम के 40% तक रखें

ईएमआई (इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट) इनकम के 40 प्रतिशत तक रखना एक अच्छा नियम है। इससे आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने और अपने जीवन को तनाव मुक्त रखने में मदद मिलती है। ईएमआई के 40% तक रखने से आपको वित्तीय सुरक्षा मिलती है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। आपको तनाव से मुक्ति मिलती है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। आपको बचत करने में मदद मिलती है, जिससे अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इंश्योरेंस जरूर लें

केवल निवेश ही नहीं बल्कि इंश्योरेंस को भी प्राथमिकता दें। ऐसे में खुद को और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हेल्थ और टर्म लाइफ इंश्योरेंस जरूर लें। इसके कुछ फायदें हैं जैसे। इंश्योरेंस आपको और आपके परिवार को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इंश्योरेंस आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इंश्योरेंस आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इक्विटी में निवेश करें

अगर आप लंबे समय के लिए निवेश करना चाहते हैं तो थोड़ा पैसा इक्विटी जैसे म्यूचुअल फंड में निवेश जरूर करें। इक्विटी में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन इसमें जोखिम भी होता है। इक्विटी में निवेश करने से पहले आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश के समय को ध्यान में रखना चाहिए।

बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान इनमें निवेश करना फायदेमंद

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड दिला सकते हैं बेहतर रिटर्न

- इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमाने का मौका
- निवेश करने से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन हो सकते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों में निवेश कर बाजार की अस्थिरता का असर कम करते हैं, जिससे लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की उम्मीद है। इसलिए आप भी इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं, लेकिन यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि निवेश से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय कर लें। इसके बाद ही निवेया का फैसला लें, वरना कई बार परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले साल में बाजार सतर्क रह सकता है, ऐसे में हाइब्रिड फंड निवेशकों को स्थिर रिटर्न देने में मदद कर सकते हैं।

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड क्या हैं

एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड ऐसे फंड होते हैं, जो इक्विटी (शेयर बाजार) और डेट (बॉन्ड, सरकारी प्रतिभूतियां, मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट) दोनों में निवेश करते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि इनमें 65% से 80% तक का निवेश इक्विटी में किया जाता है, जबकि शेष 20% से 35% तक डेट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाता है। इक्विटी में ज्यादा निवेश होने की वजह से इन्हें इक्विटी फंड की तरह टैक्स बेनिफिट मिलता है, वहीं डेट का हिस्सा बाजार की अस्थिरता के दौरान पोर्टफोलियो को कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान करता है। इसका फायदा यह है कि जब शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो डेट निवेश से नुकसान कम होता है। ऐसे फंड कंसर्वेटिव इक्विटी निवेशकों के लिए खास होते हैं, जो जोखिम लेने को तैयार हैं, लेकिन अत्यधिक उतार-चढ़ाव नहीं सह सकते। इससे लंबी अवधि में निवेशकों को धैर्यपूर्वक धन बढ़ाने का मौका मिलता है।

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए बेहतर ऑप्शन

लाभ और टैक्स की सुविधा

इन फंडों का एक बड़ा फायदा है नियमित प्रॉफिट बुकिंग। जब बाजार में इक्विटी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा बढ़ जाता है, तो फंड मैनेजर स्टॉक्स बेचकर असाइनमेंट बनाए रखते हैं। यह लंबी अवधि में रिटर्न बढ़ाने में मदद करता है। व्यक्तिगत निवेशक अगर ऐसा करते हैं, तो 1 लाख रुपये से ज्यादा के लाभ पर टैक्स देना पड़ता है, जबकि म्यूचुअल फंड के निवेशकों को इस पर टैक्स की सुविधा मिलती है। हालांकि, नियमित डिविडेंड की उम्मीद से इन फंडों में निवेश करना उचित नहीं है।

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड कौन से हैं

पिछले कुछ वर्षों के प्रदर्शन, फंड मैनेजमेंट और रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न के आधार पर भारत में कई एग्रीसिव हाइब्रिड फंड निवेशकों के बीच पसंद किए जा रहे हैं। ये फंड निवेशकों को अच्छा मुना देने की क्षमता रखते हैं। इनमें निवेश करना भी ठीक रहता है। इनमें प्रमुख हैं।

- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी और डेट फंड
- एसबीआई इक्विटी हाइब्रिड फंड
- कोटक इक्विटी हाइब्रिड फंड
- एचडीएफसी हाइब्रिड इक्विटी फंड
- यूटीआई एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- क्वांट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- कनारा रोबेको इक्विटी हाइब्रिड फंड
- मिराए एसेट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड

इनमें निवेश करना फायदेमंद

अगर निवेशक शुद्ध इक्विटी फंड के उच्च जोखिम से बचना चाहते हैं, लेकिन फिक्स्ड डिपॉजिट या डेट फंड जैसे कम रिटर्न से संतुष्ट नहीं हैं, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड संतुलित विकल्प हैं।

इन फंड्स का उद्देश्य

- इक्विटी से ग्रोथ का लाभ मिले
- डेट से स्थिरता और सुरक्षा बनी रहे
- लंबी अवधि (5 से 7 साल या उससे अधिक) में इन फंड्स ने औसतन 10–14% तक का वार्षिक रिटर्न देने की क्षमता दिखाई है, हालांकि रिटर्न बाजार स्थितियों पर निर्भर करता है।
- जब बाजार में ज्यादा उतार-चढ़ाव होता है, तब पूरी रकम इक्विटी में निवेश करना कई निवेशकों को असहज कर सकता है। ऐसे समय में एग्रीसिव हाइब्रिड फंड का डेट हिस्सा वोलैटिलिटी को कुछ हद तक कम करने में मदद करता है।

यह भी रखें ध्यान

- ये फंड पूरी तरह सुरक्षित नहीं होते
- बाजार में तेज गिरावट आने पर इनमें भी अस्थायी नुकसान हो सकता है
- शुद्ध इक्विटी फंड की तुलना में इनकी गिरावट अक्सर थोड़ी कम देखी जाती है। इसलिए जिन निवेशकों को बाजार की चाल समझने में दिक्कत होती है या जो भावनात्मक फैसले लेने से बचना चाहते हैं, उनके लिए ये फंड उपयोगी हो सकते हैं।

ऐसे में निवेशकों को क्या करना चाहिए?

- वर्तमान बाजार परिस्थितियों में निवेशकों को घबराकर फैसले लेने से बचना चाहिए। एक्सपट्र्स की मानें तो:
- निवेश का लक्ष्य और समयावधि स्पष्ट रखें
- एसआईपी के जरिए निवेश करें, ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत लाभ मिल सके
- एकमुश्त निवेश करने से पहले बाजार वैल्यूएशन पर ध्यान दें
- पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें
- अगर कोई निवेशक पहली बार म्यूचुअल फंड में कदम रख रहा है या मध्यम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न चाहता है, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड एक अच्छी शुरुआत हो सकते हैं।

क्यों एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड की सबसे बड़ी ताकत उनका बैलेंस्ड अप्रोच है। ये फंड फंड मैनेजर को यह लचीलापन देते हैं कि वे बाजार की स्थिति के अनुसार इक्विटी और डेट का अनुपात थोड़ा बहुत बदल सकें।

लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न की उम्मीद

इतिहास गवाह है कि लंबी अवधि में बाजार ने हमेशा धैर्य रखने वाले निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया है। एग्रीसिव हाइब्रिड फंड इसी सिद्धांत पर काम करते हैं। ये न तो बहुत ज्यादा आक्रामक होते हैं और न ही बहुत ज्यादा रक्षात्मक। सही फंड का चयन, नियमित निवेश और लंबी अवधि तक बने रहना। ये तीन बातें मिलकर एग्रीसिव हाइब्रिड फंड को एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बनाती हैं।

छोटे-छोटे निवेश से भी किए जा सकते हैं बड़े सपने पूरे

आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी वित्तीय योजना मजबूत और सुरक्षित हो, लेकिन सवाल यह है कि लंबी अवधि के लक्ष्यों जैसे बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए सही निवेश कैसे चुना जाए? इसी का जवाब है। एसआईपी-एसडब्ल्यूपी, जो म्यूचुअल फंड निवेश को आसान और अनुशासित बनाते हैं।

एसआईपी : छोटी बचत से बड़ा निवेश

एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप छोटी-छोटी रकम से निवेश शुरू कर सकते हैं। हर महीने तय राशि निवेश करने से धीरे-धीरे बड़ा फंड तैयार हो जाता है। यह तरीका निवेशक को अनुशासन सिखाता है और बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाता है। एसआईपी में चक्रवृद्धि का फायदा मिलता है, यानी समय के साथ आपका पैसा ब्याज पर ब्याज कमाता है और तेजी से बढ़ता है।

एसडब्ल्यूपी: नियमित आय का साधन

दूसरी ओर, एसडब्ल्यूपी उन निवेशकों के लिए है जो अपने निवेश से नियमित आय चाहते हैं। इसमें निवेशक अपने म्यूचुअल फंड से हर महीने या तिमाही तय राशि निकाल सकते हैं। यह तरीका

खासकर रिटायर लोगों के लिए उपयोगी है, क्योंकि उन्हें पेंशन जैसी स्थिर आय मिलती रहती है। एसडब्ल्यूपी से निवेशक का मूल निवेश सुरक्षित रहता है और जरूरत के मुताबिक पैसा मिलता रहता है।

विशेषज्ञों की राय

फाइनेंशियल एडवाइजर्स का मानना है कि एसआईपी और एसडब्ल्यूपी दोनों मिलकर निवेशक को संतुलित वित्तीय योजना बनाने में मदद करते हैं। एसआईपी से लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए फंड तैयार होता है, जबकि एसडब्ल्यूपी से जरूरत पड़ने पर नियमित आय मिलती है। यह संयोजन निवेशक को बाजार की अस्थिरता से बचाता है और अनुशासन बनाए रखता है।

किसके लिए बेहतर?

- **युवा निवेशक:** जो लंबी अवधि के लिए बचत करना चाहते हैं, उनके लिए एसआईपी सबसे अच्छा विकल्प है।
- **रिटायर लोग:** जिन्हें हर महीने खर्च के लिए आय चाहिए, उनके लिए एसडब्ल्यूपी आदर्श है।
- **मध्यम आय वर्ग:** एसआईपी से धीरे-धीरे फंड तैयार कर सकते हैं और बाद में एसडब्ल्यूपी से उसका लाभ उठा सकते हैं।
- एसआईपी और SWP सिर्फ निवेश के तरीके नहीं हैं, बल्कि वित्तीय अनुशासन और सुरक्षा का आधार हैं। एसआईपी से आप भविष्य के बड़े लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं, जबकि एसडब्ल्यूपी से वर्तमान की जरूरतें पूरी होती हैं। सही योजना और समय पर निवेश से ये दोनों तरीके मिलकर आपकी वित्तीय जिंदगी को स्थिर और सुरक्षित बना सकते हैं।

प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन पर ध्यान दें

लोन लेने जा रहे हैं तो रहें अलर्ट, हिडन चार्ज कर सकते हैं जेब खाली

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी लोन लेकर अपना आशियाना खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो सावधान रहें, वरना कुछ हिडन चार्ज आपकी जेब ढीली का सकते हैं। इसलिए कुछ बातों को जानना जरूरी है। दरअसल, लोन लेने के दौरान बैंक कई तरह के चार्ज लगाती हैं। लोन लेने के बाद काफी लोग कम ब्याज दर के कारण लोन ट्रांसफर भी कराते हैं। ऐसे में उन्हें कई तरह के चार्ज चुकाने पड़ते हैं। इससे लोन चुकाने में ज्यादा रकम खर्च होती है। इनमें से कुछ चार्ज को कम कर पैसा बचाया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लोन लेने के दौरान प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन आपके लोन की कुल लागत को काफी बढ़ा सकते हैं। प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर के क्लॉज पर खास ध्यान देना चाहिए, खासकर जब उन पर कोई शुल्क लगता हो। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ जो आपको परेशान कर सकते हैं।

प्रोसेसिंग चार्ज

हर होम लोन की शुरुआत प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और प्रशासनिक खर्चों से होती है। ये वो शुल्क हैं जो बैंक आपके आवेदन का मूल्यांकन करने, डॉक्यूमेंट्स की जांच करने और क्रेडिट चेक करने

के लिए लेते हैं। ये शुल्क 5000 से 15000 रुपये तक हो सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक होम लोन लेते समय बैंक से इन चार्ज के बारे में मोलभाव करना चाहिए। काफी बैंक इन चार्ज को कम कर देते हैं।

प्रीपेमेंट पेनल्टी

प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर क्लॉज तब काम आते हैं जब आप अपना लोन आंशिक रूप से या पूरी तरह से जल्दी चुकाना चाहते हैं। आरबीआई के नियमानुसार फ्लोटिंग रेट (बदलते ब्याज दर वाले) होम लोन पर कोई प्रीपेमेंट शुल्क नहीं लग सकता है। हालांकि फिक्स्ड इंटरेस्ट रेट और हाइब्रिड इंटरेस्ट रेट होम लोन पर आमतौर पर बकाया मूल राशि का 4% तक का जुर्माना लग सकता है। बेसिक होम लोन के सीईओ और को-फाउंडर अतुल मोंगा के अनुसार, जब कोई उधारकर्ता आंशिक प्रीपेमेंट करता है तो बैंक आमतौर पर लोन की अवधि कम कर देते हैं और ईएमआई वैसे ही रखते हैं। इससे लंबे समय में ब्याज की काफी बचत होती है।

ब्याज दर बदलने पर चार्ज

बाजार की स्थितियां बदलती रहती हैं। हो सकता है कि आप अपने लोन की अवधि के दौरान फ्लोटिंग से फिक्स्ड रेट या फिक्स्ड रेट से फ्लोटिंग रेट पर स्विच करना चाहें। बैंक इसके लिए कन्वर्जन की सुविधा देते हैं, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। मोंगा के अनुसार, कन्वर्जन फीस आमतौर पर आपकी बकाया लोन राशि का 0.25% से 0.5% तक होती है। 40 लाख रुपये की बकाया

इनमें से कुछ चार्ज को कम कर बचाया जा सकता है पैसा

राशि पर यह 10,000 रुपये से 20,000 रुपये के बीच हो सकता है। कन्वर्जन विकल्प का उपयोग करने से पहले, यह गणना करें कि क्या ब्याज दर का अंतर कन्वर्जन शुल्क को सही ठहराता है। कभी-कभी अपनी मौजूदा दर पर बने रहना अधिक किफायती होता है।

बैलेंस ट्रांसफर की लागत

अपने होम लोन के कुछ साल बाद आपको कम ब्याज दरों पर बैलेंस ट्रांसफर (लोन को एक बैंक से दूसरे बैंक में ले जाना) के ऑफर मिल सकते हैं। हालांकि, ब्याज दर बदलने की तरह ऐसे अवसर को तुरंत लपक लेना हमेशा एक अच्छा ऑप्शन नहीं हो सकता है। कम ब्याज दर के अलावा, नए ऋणदाता के पास भी वही शुरुआती शुल्क हो सकते हैं जैसे प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और मूल्यांकन शुल्क, एमओडीटी शुल्क आदि। अगर आपका पुराना लोन हाइब्रिड या फिक्स्ड रेट पर था, तो उस पर फोरक्लोजर पेनल्टी भी लग सकती है। शेट्टी कहते हैं कि बैलेंस ट्रांसफर तभी फायदेमंद होता है जब ब्याज दर का अंतर काफी ज्यादा हो।

लेट पेमेंट पर लगने वाला चार्ज

कई बार होम लोन की ईएमआई लेट हो सकती है। यह कई कारणों से हो सकती है, जैसे सैलरी का देरी से मिलना, कोई मेडिकल इमरजेंसी आदि। ऐसे में लेट पेमेंट के नाम पर बैंक भारी चार्ज लगाते हैं। यह बकाया ईएमआई का 3 फीसदी तक या इससे ज्यादा भी हो सकता है। मोंगा बताते हैं कि अधिकांश बैंक जुर्माना लगाने से पहले ड्यू डेट के बाद 5 से 10 दिनों का अतिरिक्त ग्रेस पीरियड (छूट अवधि) देते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि अपने अकाउंट में पर्याप्त पैसा रखें ताकि ईएमआई बाउंस न हो।

जबरन बीमा बेचना

इंश्योरेंस एक और ऐसा सेक्टर है जहां उधारकर्ता अक्सर अनजाने में पैसा गंवा देते हैं। दो तरह के इंश्योरेंस दिए जाते हैं। पहला प्रॉपर्टी इंश्योरेंस। होम लोन के दौरान आपकी प्रॉपर्टी बैंक में गिरवी रखी संपत्ति होती है। बैंक को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता होती है कि यह आग, प्राकृतिक आपदाओं और अन्य नुकसानों से सुरक्षित है। दूसरा इंश्योरेंस लोन प्रोटेक्शन है। यह एक टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी है जो होम लोन लेने वाले की मृत्यु होने पर लोन का बकाया पेमेंट करती है। लोन प्रोटेक्शन इंश्योरेंस वैकल्पिक है। विवाद तब पैदा होते हैं जब बैंक स्पष्ट सहमति के बिना सिंगल-प्रीमियम इंश्योरेंस को लोन में बंडल कर देते हैं। उधारकर्ता अपनी पसंद के बीमाकर्ता को चुनने या अलग टर्म प्लान लेने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते वे बैंक की आवश्यकताओं को पूरा करते हों।

सीईआरएसएआई चार्जेज

सीईआरएसएआई (सेंट्रल रजिस्ट्री ऑफ सिक्योरिटाइजेशन एसेट रिकंस्ट्रक्शन एंड सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऑफ इंडिया) एक ऐसा शुल्क है जो आमतौर पर पहली बार होम लोन लेने वाले को भ्रमित करता है। शेट्टी बताते हैं कि सीईआरएसएआई चार्जेज एक ही प्रॉपर्टी पर कई लोन को रोकने के लिए एक केंद्रीय डेटाबेस में मॉर्गेज के रजिस्ट्रेशन को कवर करते हैं। ये शुल्क 100 (जीएसटी के अतिरिक्त) तक हो सकते हैं।

लोन भी गुड और बैड कुछ होते हैं दौलत के दोस्त और कई जेब के 'दुश्मन'

आसानी से मिल जाने वाले लोन का पैसा राहत के साथ दे सकता है बड़ी परेशानी

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में लोन लेना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। बैंक हों या मोबाइल एप, कुछ ही समय में आसानी से लोन मिल जाता है। अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे लोन ले लेते हैं, लेकिन यहीं से कई बार फाइनेंशियल परेशानी शुरू हो जाती है, क्योंकि हर लोन आपके फायदे के लिए नहीं होता। असल में लोन दो तरह के होते हैं गुड लोन और बैड लोन और दोनों में फर्क समझना आम लोगों के लिए बेहद जरूरी है। डिजिटल दौर में इंस्टेंट लोन ऐप्स ने लोगों को जल्दी पैसा तो दिया, लेकिन साथ में हाई इंटरेस्ट, छिपे चार्ज और मानसिक तनाव भी दिया है। कई लोग छोटी जरूरतों के लिए ऐसे ऐप्स से लोन लेते हैं और बाद में ईएमआई के बोझ में फंस जाते हैं। यही वजह है कि लोन लेने से पहले यह समझना जरूरी है कि आप किस तरह का कर्ज ले रहे हैं।

सोच समझकर ही कदम उठाना होगा फायदेमंद, वरना आप रहेंगे घाटे में
अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे ले लेते हैं लोन

क्या होता है गुड लोन

गुड लोन वह होता है जो आपकी जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करें। ऐसा लोन जो भविष्य में आपकी आमदनी बढ़ाए, संपत्ति बनाए या करियर को मजबूत करे, उसे अच्छा कर्ज माना जाता है। इसमें ब्याज दर आमतौर पर कम होती है और समय के साथ इसका फायदा नजर आता है। मान लीजिए आपने पढ़ाई के लिए एजुकेशन लोन लिया और आगे चलकर उसी पढ़ाई से आपकी कमाई बढ़ती है। इसी तरह बिजनेस लोन से व्यापार बढ़ता है या होम लोन से आपकी खुद की संपत्ति बनती है। ऐसे लोन लंबे समय में आपकी नेटवर्थ बढ़ाने का काम करते हैं, इसलिए इन्हें गुड लोन कहा जाता है।

गुड लोन की खास पहचान

गुड लोन में रिटर्न की संभावना ब्याज से ज्यादा होती है। ईएमआई आपकी कमाई के हिसाब से मैनेज हो जाती है और लोन का इस्तेमाल किसी प्रोडक्टिव काम में होता है। यह आपकी फाइनेंशियल ग्रोथ का हिस्सा बनता है, बोझ नहीं।

बैड लोन क्या होता है

बैड लोन वह होता है जो सिर्फ खर्च बढ़ाता है, आमदनी नहीं। इस तरह के लोन में ब्याज दर काफी ज्यादा होती है और कई बार अतिरिक्त चार्ज भी जुड़ जाते हैं। अगर समय पर भुगतान न हो, तो क्रेडिट स्कोर बिगड़ जाता है और आगे लोन मिलना मुश्किल हो जाता है। पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड बकाया, इंस्टेंट लोन ऐप्स से लिया गया कर्ज या गैर-जरूरी चीजों के लिए लिया गया लोन अक्सर इसी कैटेगरी में आता है। इनसे न तो कोई एसेट बनता है और न ही भविष्य में कोई फायदेमंद रिटर्न मिलता है।

बैड लोन क्यों बन जाता है परेशानी

बैड लोन की ईएमआई जेब पर भारी पड़ती है। कई लोग एक लोन चुकाने के लिए दूसरा लोन लेते हैं और धीरे-धीरे कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। तनाव बढ़ता है, सेविंग खत्म हो जाती है और आर्थिक आजादी खतरे में पड़ जाती है।

दोनों में क्या है अंतर

आधार	: लोन लेने का मकसद
गुड लोन	: भविष्य को मजबूत बनाना
बैड लोन	: सिर्फ मौजूदा खर्च पूरा करना
आधार	: पैसे का असर
गुड लोन	: दौलत और कमाई बढ़ाता है
बैड लोन	: जेब पर बोझ बढ़ाता है
आधार	: ब्याज दर
गुड लोन	: अपेक्षाकृत कम
बैड लोन	: काफी ज्यादा
आधार	: लंबे समय का फायदा
गुड लोन	: फायदा देता है नहीं
बैड लोन	: नुकसान बढ़ाता है
आधार	: कमाई
गुड लोन	: बढ़ाने में मदद करता है
बैड लोन	: नहीं करता
आधार	: जोखिम का स्तर
गुड लोन	: कम जोखिम
बैड लोन	: ज्यादा जोखिम
आधार	: उदाहरण
गुड लोन	: होम लोन, एजुकेशन लोन, बिजनेस लोन
बैड लोन	: पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड लोन, इंस्टेंट ऐप लोन
आधार	: मानसिक असर
गुड लोन	: सुरक्षा और स्थिरता
बैड लोन	: तनाव और दबाव
आधार	: भविष्य की प्लानिंग
गुड लोन	: आसान बनती है
बैड लोन	: मुश्किलें बढ़ाती है

कितना लोन लेना है सही

लोन लेते समय अपनी आय और खर्च का सही हिसाब लगाना जरूरी है। इसके लिए डेट-टू-इनकम रेश्यो देखा जाता है। यानी आपकी कुल मासिक ईएमआई, आपकी मासिक कमाई के 40 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अगर यह 30 फीसदी से नीचे है, तो और भी बेहतर माना जाता है।

लोन से पहले बचत को दें प्राथमिकता

हर छोटी जरूरत के लिए लोन लेना समझदारी नहीं है। बेहतर है कि पहले बचत की आदत डालें। छोटी प्लानिंग, एसआईपी या इमरजेंसी फंड बनाकर कई खर्च बिना कर्ज के पूरे किए जा सकते हैं। लोन तभी लें, जब वह सच में आपकी जिंदगी को आगे बढ़ाने वाला हो।

समझदारी ही असली सुरक्षा

लोन अपने आप में न अच्छा है, न बुरा। फर्क इस बात से पड़ता है कि आप उसे किस मकसद से ले रहे हैं। सही जानकारी और सोच-समझकर लिया गया कर्ज आपकी तरक्की का रास्ता खोल सकता है, जबकि जल्दबाजी में लिया गया लोन आपकी जेब का सबसे बड़ा दुश्मन बन सकता है।

खबर संक्षेप

नगर निगम ने 21 बेसहारा पशु पकड़े

हिसार। नगर निगम की टीम द्वारा बेसहारा पशुओं को पकड़े जाने का अभियान लगातार जारी है। अभियान के सहायक नोडल अधिकारी सुरेन्द्र वर्मा रहे। एएसआई संदीप बिश्नोई ने बताया कि निगम की टीम ने शनिवार को सेक्टर 1-4, सेक्टर 14, आजाद नगर, रामपुरा मोहल्ला, मिल गेट से 21 बेसहारा पशुओं को पकड़कर गौ-अभ्यारण भेजा गया। बेसहारा पशु पकड़ने वाली टीम के साथ पुलिस की टीम भी मौजूद रही।

प्रदेश में उद्योग बंद होने से लाखों युवा बेरोजगार:गर्ग

हिसार। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के अध्यक्ष व हरियाणा कॉन्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने कहा है कि प्रदेश सरकार की गलत नीतियों से प्रदेश में लगातार उद्योग बंद व पलायन हो रहे हैं। जिससे लाखों युवा बेरोजगार हो गए है। बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा में लगभग 15 प्रतिशत उद्योग इकाई बंद व पलायन हो चुकी है और हरियाणा में गांव स्तर पर छोटे व मध्य उद्योग लगभग 50 प्रतिशत बंद हो चुके हैं।

महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम पर कार्यशाला

हिसार। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 के संबंध में बीईओ हिसार के सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला हुई। डीपीओ मंजू राणा ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य विभिन्न विभागों में गठित आंतरिक शिकायत समितियों के सदस्यों को अधिनियम की विस्तृत जानकारी प्रदान करना तथा उनके दायित्वों के प्रति जागरूक करना था।

बीईओ का पद संभालने पर किया सम्मानित

हिसार। भाविप, चंद्रशेखर आजाद शाखा हिसार के वरिष्ठ सदस्य राकेश चराया को बीईओ हिसार-।। के पद पर कार्य ग्रहण करने पर शाखा के सदस्यों द्वारा पुष्प गुच्छ देकर व अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। शाखा की तरफ से उपस्थित वरिष्ठ सदस्यों ने श्री चराया को हार्दिक शुभकामनाएं व बधाइयां दीं। इस अवसर पर मास्टर हवा सिंह, धीरज शर्मा, पवन गौतम, सुरेश शास्त्री आदि थे।

आयुर्वेद अपनाकर स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च किया जा सकता है शून्य

भागदौड़-असंतुलित खानपान के कारण बीमारियों से घिरा मनुष्य

आयुर्वेद में बीपी, शुगर, किडनी व पित्त की पत्थरी सहित गंभीर रोगों के इलाज का दावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. पीएम त्रिपाठी शुगर रोगी से बातचीत करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

वर्तमान की भागदौड़ भरी जिंदगी व खानपान में आए बदलाव के कारण मनुष्य अनेक शारीरिक व मानसिक बीमारियों से घिरता जा रहा है। ये शारीरिक व मानसिक बीमारियां उसे आर्थिक परेशानी की चौखट पर ले जाकर खड़ा कर देती है। आयुर्वेद में इन सभी बीमारियों का इलाज निहित है और आयुर्वेद को अपनाकर हम स्वास्थ्य पर अपने खर्चे को शून्य पर जा सकते हैं।

यह कहना है शहर के वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक जिंदल कॉलोनी के पास तिरूपति मार्केट निवासी डॉ. पीएम त्रिपाठी का। शुगर, बीपी, किडनी व पित्त की पत्थरी सहित कई गंभीर बीमारियों का सफल इलाज कर चुके डॉ. पीएम त्रिपाठी का कहना है कि आयुर्वेद में ही सभी बीमारियों का इलाज व हमारा कल्याण निहित है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि 500 शुगर वाला रोगी उनसे दवा लेकर इस आयुर्वेद पद्धति से ठीक हुआ है और दो साल से उसकी दवा भी बंद है। इसी तरह एक किडनी रोग से पीड़ित महिला, पित्त की पत्थरी से पीड़ित मरीज सहित अन्य ऐसे मरीज ठीक हुए हैं, जो एलोपैथ पद्धति से इलाज करवाकर न केवल थक चुके थे बल्कि निराश भी हो चुके थे। उन्होंने कहा कि केवल आयुर्वेद ही 5 हजार वर्ष पुरानी ऐसी चिकित्सा पद्धति है, जिसको अपनाकर हम बड़े अस्पतालों में जाने व भारी भरकम खर्चे से बच सकते हैं।

एलोपैथी महंगी

डॉ. पीएम त्रिपाठी का कहना है कि शरीर में कोई व्याधि आने पर मनुष्य एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति का सहारा लेती है जो न केवल महंगी है बल्कि एक बीमारी को ठीक करने के चक्कर में दूसरी बीमारी भी मनुष्य को जकड़ बैठती है। एलोपैथी पद्धति जहां तुरंत आराम के नाम पर बीमारी को दबाती है वहीं आयुर्वेद उस बीमारी को जड़ से बाहर निकालता है ताकि मनुष्य को दोबारा उस बीमारी का सामना न करना पड़े और वो हष्ट पुष्ट भी रहे। उन्होंने कहा कि यदि हरियाणा की बात की जाए तो आजादी के बाद अस्पताल व चिकित्सक बढ़े हैं लेकिन बीमारियां कम होने की बजाय गंभीर रूप लेती जा रही है।

सीसवाल में 42 गांवों के युवाओं ने कैंप लगाकर किया 110 यूनिट रक्तदान

■ कबहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आदमपुर

हिसार। रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित करते सिविल सर्जन डॉ. अनामिका बिश्नोई एवं एसोसिएशन के पदाधिकारी।

बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन ब्लॉक सीसवाल के तत्वाधान में वार्षिक सम्मेलन के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। विभाग के तमाम स्वास्थ्य कर्मियों, डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टाफ और सीएचसी सीसवाल के अंतर्गत 42 गांवों के युवाओं ने ठिठुरती ठंड के मौसम को मात देते हुए विशाल रक्तदान शिविर में 110 यूनिट रक्त एकत्रित कर मानवता का संदेश दिया। रक्तदान शिविर में हिसार ब्लड बैंक की टीम ने लैब टेक्निकल ऑफिसर दिनेश कुमार और हरीश कुमार के नेतृत्व में शिविर में अपनी सेवाएं प्रदान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के ब्लॉक प्रधान नितिन चौधरी और संचालन स्वास्थ्य विभाग तालमेल कमेटी संयोजक हैल्थ इंस्पैक्टर नूर मोहमद ने किया। रक्तदान को लेकर सुबह से ही रक्तदाताओं की भीड़ शुरू हो गई जो शाम तक जारी रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यकारी सिविल सर्जन डॉ. अनामिका बिश्नोई, सीसवाल की कार्यकारी एसएमओ डॉ. अश्मिता चौधरी, जिला प्रधान विकास संदलाना और सचिव रवींद्र पेटवाड़ ने रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

मार्केट कमेटी चेयरमैन कृष्ण यादव व जिला पार्षद डॉ. सुमन का सम्मान

हांसी। चेयरमैन कृष्ण यादव व जिला पार्षद डॉ सुमन यादव को सम्मानित करते ग्रामीण।

हांसी। मार्केट कमेटी चेयरमैन कृष्ण यादव एवं हिसार नगर निगम वार्ड-14 की पार्षद डॉ. सुमन यादव का शनिवार को गांव किशनगढ़ में एक गरिमामय एवं सम्मानपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन कृष्ण यादव को शॉल ओढ़ाकर एवं नोटों की मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कुलदीप यादव (पृथ्वी यादव हॉर्टीकल्चर फ्रूट नर्सरी) की ओर से किया गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने चेयरमैन कृष्ण यादव के सामाजिक योगदान, नेतृत्व क्षमता एवं जनसेवा भाव की सराहना की तथा डॉ. सुमन यादव के जनहित में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। इस अवसर पर चेयरमैन कृष्ण यादव ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और युवाओं को सेवा व समर्पण की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर ग्राम पंचायत किशनगढ़ के सरपंच विक्रम सिंह, सुभाष यादव, गौशाला प्रधान गांधी, अशोक यादव, पूर्व प्रधान यादव सभा महोरलाल यादव, अनिल राव, रिछपाल खीचड़, अश्वनी यादव, मुनीश एलावादी, सुशील सदलपुरिया व महीपाल यादव सहित ग्राम के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दूसरे प्रदेशों के लोगों का दी जा रही हरियाणा की नौकरियां: हुड्डा

नारनौंद। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा है कि जब नौकरी देने वाले एचपीएससी चेयरमैन बाहर के हैं तो नौकरी पाने वाले हरियाणा के युवा कैसे हो सकते हैं। बीजेपी नेताओं द्वारा लगातार हरियाणा के युवाओं को कमतर बताने पर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर हरियाणा के युवा काबिल नहीं हैं तो यूपीएससी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में कैसे टॉप हो रहे हैं। एचपीएससी चैयरमैन को तुरंत हटाकर तीन करोड़ हरियाणावासियों में से किसी काबिल व्यक्ति को चैयरमैन बनाया जाए। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कापड़ो गांव में 21 ग्रेनेडियर के लांस नायक बलिदानी दीपक गोयत के आवास पहुंचकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित करने उपरांत बातचीत कर रहे थे। दीपेन्द्र ने दीपक के परिवारजनों से मिलकर ढांढस बंधाया।

अब दो बिलिंग चक्र से ज्यादा नहीं चलेगा अस्थायी बिजली बिल

■ डीएचबीवीएन ने अस्थायी व त्रुटिपूर्ण बिजली बिलों पर लगाम लगाने के लिए एसओपी लागू की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ने उपभोक्ताओं को लंबे समय से चली आ रही अस्थायी एवं त्रुटिपूर्ण बिजली बिलों की समस्या से राहत देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। निगम ने तीन से अधिक बिलिंग चक्रों तक लंबित रहने वाले अस्थायी बिजली बिलों के निपटारे के लिए एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। इसका उद्देश्य बिलिंग प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है।

बिजली निगम के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि हरियाणा विद्युत आपूर्ति संहिता विनियम, 2014 के तहत किसी भी उपभोक्ता का अस्थायी बिल अधिकतम दो बिलिंग चक्रों तक ही जारी किया जा सकता है, लेकिन कई मामलों में इस नियम का पालन नहीं हो पा रहा था। इसी लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए हरियाणा राइट टू सर्विस (आरटीएस) आयोग ने भी संज्ञान लिया था। आयोग की टिप्पणियों और निर्देशों के अनुपालन में अब डीएचबीवीएन ने यह नई एसओपी लागू की है। नई व्यवस्था के तहत निगम ने फील्ड कार्यालयों और संबंधित विंग को प्रक्रियाएं दुरुस्त करने के लिए चार माह का तैयारी काल दिया है। इस अवधि में लंबे समय से लंबित अस्थायी बिलों का चरणबद्ध तरीके से निपटान किया जाएगा। इसके बाद यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी उपभोक्ता दो से अधिक बिलिंग चक्रों तक अस्थायी बिलिंग में न रहे।

अधिकारी और कर्मचारी निर्देशों का सख्ती से करें पालन

प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह

प्रबंध निदेशक ने बताया कि एसओपी में यह भी व्यवस्था की गई है कि तैयारी काल समाप्त होने के बाद प्रत्येक माह अस्थायी बिलिंग के मामलों की गहन समीक्षा की जाएगी। उप-मंडल स्तर पर नामित अधिकारी द्वारा सभी ऐसे मामलों की जांच कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसकी पुष्टि एसडीओ स्तर पर की जाएगी। इसके पश्चात कार्यकारी अभियंता स्तर पर प्रत्येक मामले में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में संबंधित मीटर रीडिंग एजेंसी, कर्मचारी या उपभोक्ता को सुनवाई का अवसर भी दिया जाएगा, ताकि निष्पक्ष निर्णय सुनिश्चित हो सके। यदि जांच में यह सामने आता है कि देरी मीटर रीडिंग एजेंसी के कारण हुई है, तो अनुबंध के अनुसार उस पर दंड लगाया जाएगा और भविष्य के अनुबंधों में उपभोक्ता मुआवजे का स्पष्ट प्रावधान किया जाएगा। वहीं, यदि किसी कर्मचारी की लापरवाही पाई जाती है, तो हरियाणा राइट टू सर्विस अधिनियम के तहत संबंधित अधिकारी पर जुर्माना, उपभोक्ता को मुआवजा तथा आवश्यकता पड़ने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा सकेगी। विक्रम सिंह ने बताया कि पारदर्शिता और निगरानी को और मजबूत बनाने के लिए निगम अपने आईटी सिस्टम में ऑनलाइन मॉड्यूल विकसित करेगा। इसके माध्यम से हर माह दो से अधिक बिलिंग चक्रों वाले अस्थायी बिलों की स्वचालित रिपोर्ट तैयार होगी और प्रत्येक मामले का डिजिटल रिकॉर्ड रखा जाएगा। इससे पूरे प्रकरण की ऑनलाइन ट्रैकिंग संभव होगी और जवाबदेही तय की जा सकेगी। निगम प्रवक्ता संजय चुघ ने बताया कि डीएचबीवीएन प्रबंधन ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन करने के आदेश दिए हैं।

न्यूज डायरी

युवा सम्मेलन की तैयारियों के लिए इनेलो ने की बैठक

हिसार। इनेलो का युवा सम्मेलन 30 जनवरी को यहां के अग्रसेन भवन में होगा। सम्मेलन की तैयारियों के लिए पार्टी की बैठक ताऊ देवीलाल सदन में हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य युवा सम्मेलन को सफल बनाना तथा हरियाणा के युवाओं की समस्याओं और मांगों को एक सशक्त मंच प्रदान करना रहा। बैठक के अध्यक्षता जिला प्रधान सतपाल काजला ने की। बैठक में संगठनात्मक तैयारियों, कार्यक्रम की रूपरेखा, जिम्मेदारियों के वितरण और युवाओं की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश प्रधान महासचिव गौरव संपत सिंह ने कहा कि 30 जनवरी को आयोजित होने वाला युवा सम्मेलन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हरियाणा के युवाओं के अधिकारों और भविष्य की लड़ाई की मजबूत शुरुआत है।

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने मानव कल्याण के लिए समर्पित कर दिया अपना जीवन : बीके रमेश कुमारी

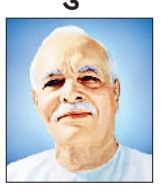

हिसार। प्रजापिता ब्रह्मा बाबा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संस्थापक पिता एवं आधुनिक युग के महान आध्यात्मिक पथ प्रदर्शक थे। 18 जनवरी 1969 को प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने अपना भौतिक देह त्याग किया। इस वर्ष 18 जनवरी को उनकी 57वीं पुण्य स्मृति दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया जा रहा है। उनका लौकिक नाम लेखराज कृपलानी था। वे एक प्रतिष्ठित हीरा व्यापारी थे, परंतु ईश्वरीय प्रेरणा प्राप्त होने के बाद उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मानव कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। प्रजापिता ईश्वरी विश्वविद्यालय हिसार केंद्र की संचालिका बीके रमेश कुमारी ने बताया कि 1936 में उन्हें गहन आध्यात्मिक अनुभूतियां हुईं, जिनसे उनके जीवन में आमूलचूल परिवर्तन आया। उन्होंने आत्मा, परमात्मा और सृष्टि के सत्य ज्ञान को समाज तक पहुँचाने का महान कार्य आरंभ किया। उन्होंने राजयोग ध्यान के माध्यम से आत्म-जागरूकता, मानसिक शांति, आत्म-शुद्धि और श्रेष्ठ कर्मों की शिक्षा दी। प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का जीवन सादगी, पवित्रता, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा का अनुपम उदाहरण था। उनकी विशेषता यह थी कि उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान को व्यावहारिक जीवन से जोड़ा।

राजकीय कॉलेज में किया गरिमामय सहभोज कार्यक्रम

बरवाला। राजकीय महाविद्यालय बरवाला में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रेखा सलूजा, दलबीर गिल व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

बरवाला। राजकीय महाविद्यालय बरवाला में दो वरिष्ठ प्राध्यापकों रेखा सलूजा व दलबीर गिल को प्राचार्य पद पर पदोन्नत होने की खुशी में गरिमामय सहभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रेखा सलूजा ने राजकीय महाविद्यालय बरवाला में लगभग पांच वर्षों तक सेवाएं देने के बाद राजकीय महाविद्यालय उकलाना में प्राचार्य के रूप में कार्यभार ग्रहण किया, वहीं दलबीर गिल ने राजकीय महाविद्यालय बरवाला में 11 वर्ष 3 माह तक सेवाएं देने के बाद राजकीय कन्या महाविद्यालय, उगालन में प्राचार्य पद संभाला। कार्यक्रम के दौरान दोनों प्राचार्यों ने अपने अनुभव सांझा किए और शैक्षणिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र में आने वाले नए बदलावों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि सहकर्मियों का सहयोग और विद्यार्थियों की सहभागिता उनके लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रही है। महाविद्यालय के वर्तमान प्राचार्य डॉ. सत्यपाल सिंह ने नवनियुक्त प्राचार्यों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डॉ. श्वेता, नीतू रानी, अनूप सिंह ढांडा, रामबिलास, पंकज रहेजा, विकास नैन, हरदीप सिंह, सुनील, सुशीला, शालू, राहुल, आशीष, अजय, देवेंद्र, संदीप, सतबीर, इंद्रा बिश्नोई, नीतू, अनीता, उषा आदि मौजूद थे।

सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता में सीडीएस इंटरनेशनल स्कूल बांडाहेड़ी प्रथम

■ विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

हांसी। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करती सहायक पुलिस अधीक्षक दिव्यांशी सिंगल।

विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के नियमों की पूर्ण जानकारी और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य को लेकर सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों को लेकर पुलिस द्वारा ब्लॉक स्तर व जिला स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कक्षाओं के अनुसार जिला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली चार टीमों का चयन कर उन्हें रेंज स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर दिया गया। रेंज स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता शनिवार को फतेहाबाद पुलिस लाइन में आयोजित की गई, जिसमें हांसी जिले की चारों टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। लेवल थर्ड में सीडीएस इंटरनेशनल स्कूल, बांडा हेड़ी के कक्षा 11वीं के विद्यार्थी केशव, अमन व जान्या ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। लेवल फर्स्ट में गायत्री देवी मंदिर स्कूल के पांचवी कक्षा के विद्यार्थियों दीपांशु, नमन व वीरेन ने द्वितीय स्थान हासिल किया। लेवल सेकंड में एमडी विद्या मंदिर स्कूल, भैणी अमीरपुर की छठी कक्षा के विद्यार्थी कार्तिक, दीप व निशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लेवल फोर्थ में एसडी महिला महाविद्यालय की छात्राएं सुषमा, निकिता व मंजीत ने द्वितीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को सहायक पुलिस अधीक्षक फतेहाबाद दिव्यांशी सिंगल द्वारा ट्रॉफी एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

हांसी। कार्यशाला को संबोधित करते वक्ता। *फोटो :हरिभूमि*

भाजपा जिला कार्यालय में जी राम जी पर कार्यशाला

हांसी। भारतीय जनता पार्टी जिला हांसी की ओर से जिला कार्यालय में वीबी जी राम जी के संदर्भ में एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में मुख्य वक्ता हरियाणा भाजपा प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने संबोधित किया जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने की। कार्यशाला में विधायक विनोद व पूर्व सांसद डीपी वत्स ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने कहा कि वीबी जी राम जी विकसित भारत की गारंटी के साथ-साथ हरियाणा के किसान और मजदूर की खुशहाली की गारंटी भी है। इस अवसर पर विधायक विनोद भयाना ने कहा वीबी जी राम जी के साथ देश और प्रदेश के मजदूरों में एक नई खुशहाली आएगी और प्रदेश के ग्रामीण ढांचे को मजबूत करने में वीबी जी राम जी का एक महत्वपूर्ण योगदान साबित होगा, वीबी जी राम जी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक दूरगामी मिशन है इस मिशन के माध्यम से प्रदेश के ग्रामीण अंचल में खुशहाली, आर्थिक मजबूती, आर्थिक ढांचे में सुधार के एक नये युग की शुरुआत होगी। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जिला परिषद के अध्यक्ष सोनू सिहाग डाटा, कार्यक्रम के संयोजक विजेंद्र लोहान, सह संयोजक राजपाल नियाना, डॉक्टर श्री शर्मा, सत्यवान बालकिया तथा जिला महामंत्री धर्मवीर रतेरिया, जिला प्रवक्ता रामफल बूरा, जिला उपाध्यक्ष राजकुमार पहल, जिला सचिव सरला नाडा, वाइस चेयरमैन आजाद शर्मा, कर्मवीर शर्मा उपाध्यक्ष, श्याम खांडा, भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष सुखविंदर जाखड़ आदि मौजूद थे।

डीएम कॉलेज के विद्यार्थियों का स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन

हिसार। सेठ किरोड़ीमल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, भिवानी में सेठ किरोड़ीमल जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में अंतर विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें हरियाणा की छह विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। इसी के तहत दयानंद महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने हिंदी, अंग्रेजी, हरियाणवी व संस्कृत कविता पाठ में भाग लिया। इसमें हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता में बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा पूर्णिमा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, बी.कॉम तृतीय वर्ष की छात्रा मिस्टी ने अंग्रेजी में तृतीय स्थान प्राप्त किया। हरियाणवी में बीए तृतीय वर्ष के अंकित और संस्कृत श्लोकोच्चारण में सिमथा बीएससी. तृतीय वर्ष की छात्रा प्रतिभागी रहे। अन्य प्रतियोगिता में हिंदी विभाग की ओर से आईबीपीजी महाविद्यालय, 'विश्व हिंदी दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय कविता पाठ प्रतियोगिता में महाविद्यालय की बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा आरती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

हिसार। प्रतियोगिता की विजेता प्रतिभागियों के साथ स्टाफ सदस्य।

राजकीय महिला कॉलेज में एचआईवी एड्स विषय पर हुई पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

हिसार। राजकीय महिला महाविद्यालय के रेड रिबन क्लब की ओर से विश्व एड्स पखवाड़ा एवं राष्ट्रीय युवा दिवस पखवाड़ा के उपलक्ष्य में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्राओं के माध्यम से समाज में एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता, इसके रोकथाम के उपाय, उपचार की उपलब्ध सुविधाएं तथा इस बीमारी से जुड़ी मिथकों, भेदभाव और सामाजिक कलंक के प्रति छात्राओं की कला द्वारा जागरूकता लाना रहा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सतबीर सिंह सांगा ने इस अवसर पर कहा कि युवाओं में एचआईवी/एड्स के प्रति सही जानकारी और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां न केवल छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा को निखारती हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रतियोगिता में महाविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं की कुल 60 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं ने अपने रचनात्मक पोस्टरों के माध्यम से यह संदेश दिया कि एचआईवी/एड्स एक बीमारी है, अपराध नहीं, और इसके प्रति सकारात्मक सोच व सही जानकारी ही समाज को सुरक्षित बना सकती है।

आवासीय व व्यावसायिक प्लॉट धारकों के लिए सरकार का ऐतिहासिक फैसला

अब बिना कन्वेयंस डीड के भी प्लॉट रजिस्ट्रेशन संभव

संपत्ति बेचने का रास्ता साफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

मेयर प्रवीण पोपली।

लोगों की वास्तविक जरूरतों और मानवीय दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर लिया गया नायाब निर्णय

नगर सुधार मंडल योजनाओं के तहत आवंटित आवासीय व व्यावसायिक प्लॉट धारकों के लिए राज्य सरकार ने एक ऐतिहासिक और राहत भरा फैसला लिया है। वर्षों से कन्वेयंस डीड, कंप्लीशन सर्टिफिकेट और रजिस्ट्रेशन के अभाव में जिन नागरिकों को अपनी ही संपत्ति पर पूर्ण अधिकार नहीं मिल पा रहे थे, अब उनके लिए संपत्ति का वैध स्वामित्व और बिक्री का रास्ता साफ हो गया है। शहरी स्थानीय निकाय विभाग, हरियाणा द्वारा जारी नए निर्देशों के तहत निर्धारित जुर्माना या शुल्क अदा कर प्लॉट धारक अब अपनी प्रॉपर्टी की कन्वेयंस डीड करवा सकेंगे और विधिवत रजिस्टर्ड मालिक बन पाएंगे।

मेयर ने कहा कि प्रदेश सरकार का यह फैसला केवल नियमों में संशोधन नहीं है, बल्कि यह आम नागरिकों की वास्तविक जरूरतों और मानवीय दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए लिया गया नायाब निर्णय है। इससे हजारों लोगों को राहत मिलेगी, जो वर्षों से अपनी संपत्ति को न तो पूरी तरह अपने नाम कर पा रहे थे और न ही उसे बेचने में सक्षम थे। इस योजना का लाभ शहर के अनेक प्रमुख क्षेत्रों के प्लॉट धारकों को मिलेगा। इनमें राजगुरु मार्केट, पुरानी तहसील क्षेत्र, गांधी चौक, ऑटो मार्केट, न्यू क्लॉथ मार्केट, ग्रीन पार्क, गुरु जंभेश्वर मार्केट, जिंदल फैक्ट्री के पास मॉडल टाउन, पुरानी सब्जी मंडी, शांति नगर, जहाजपुल से दिल्ली गेट तक की मार्केट, भगत सिंह चौक मार्केट, लाला लाजपत राय मार्केट, जगजीवन नगर, गोविंदगढ़ बाजार, पुराने नंद सिनेमा के आसपास का क्षेत्र, जैन मंदिर से नंद सिनेमा एचटीएम क्षेत्र, पटेल नगर सहित कई क्षेत्र शामिल हैं। मेयर प्रवीण पोपली ने कहा कि सरकार का यह ऐतिहासिक फैसला व्यापारियों और संपत्ति धारकों को वास्तविक स्वामित्व का अधिकार दिलाएगा। अब वे न केवल अपनी संपत्ति अपने नाम कर सकेंगे, बल्कि कानूनी रूप से उसकी बिक्री भी कर पाएंगे।

आभार जताया है।। मेयर प्रवीण पोपली ने बताया कि नगर सुधार मंडल योजना के अंतर्गत आने वाले प्लॉटों को लेकर लंबे समय से नागरिक परेशान थे। इस गंभीर समस्या को उन्होंने स्वयं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर प्लॉट धारकों की व्यावहारिक कठिनाइयों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सकारात्मक रुख अपनाया और समाधान का मार्ग प्रशस्त किया।

पुलिस को किसान नेता कोथ ने भेजा नोटिस

नारनौंद। किसान नेता सुरेश को पुलिस ने हाल ही में नोटिस दिया था कि अवैध गतिविधियां बंद नहीं की तो मुकदमा दर्ज करके संपत्ति जब्त की जाएगी। इस नोटिस के जवाब किसान नेता सुरेश कोथ ने नारनौंद पुलिस की क्राइम ब्रांच के नाम लीगल नोटिस भेज कर एक सप्ताह में जवाब मांगा हैं।

किसान नेता सुरेश कोथ ने बताया कि नारनौंद क्राइम ब्रांच के इंचार्ज कुलदीप ने 14 जनवरी को नोटिस भेज कर आरोप लगाया था कि तुरंत प्रभाव से अपनी अवैध गतिविधियों को बंद नहीं किया तो आपके खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके आपकी चल अचल संपत्ति, वाहन, मोबाइल फोन, बैंक खाता जब्त कर दिया जाएगा।

खबर संक्षेप

एलिवेटेड रोड बनेगा स्थायी समाधान

हिसार। जननायक जनता पार्टी के हलका अध्यक्ष विपिन गोयल ने हिसार शहर में लगातार बढ़ती जा रही ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्या पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि शहर के मुख्य बाजारों, बस स्टेंड, नागौरी गेट, बीकानेर चौक, कैंप चौक, जिंदल चौक व अन्य प्रमुख मार्गों पर रोजाना लगने वाले जाम से आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।विपिन गोयल ने कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था की बदहाली के कारण न केवल आम नागरिकों का समय बर्बाद हो रहा है, बल्कि एंबुलेंस, स्कूली वाहन और आवश्यक सेवाओं में भी बाधा उत्पन्न हो रही है, जो बेहद चिंताजनक है।

भाविप ने जरूरतमंदों को वितरित किए गर्म वस्त्र

आदमपुर। कड़ाके की ठंड से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से भारत विकास परिषद, शाखा आदमपुर की ओर से संचालित 'शीत राहत सेवा अभियान' के अंतर्गत जरूरतमंद बच्चों, बुजुर्गों एवं असहाय परिवारों को गर्म वस्त्रों का वितरण किया गया। इस मानवीय सेवा अभियान के माध्यम से परिषद ने समाज के प्रति अपनी संवेदनशीलता, करुणा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त परिचय दिया।

पुलिस ने जिला पुलिस लाइन में किया योगाभ्यास

हिसार। सूर्य नमस्कार अभियान के तहत जिला पुलिस की ओर से पुलिस लाइन में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार एवं योगासन कर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों द्वारा सूर्य नमस्कार के सही तरीके, उसके लाभों तथा नियमित योग अभ्यास से होने वाले सकारात्मक प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। योगाभ्यास के दौरान सभी प्रतिभागियों ने अनुशासन एवं उत्साह के साथ भाग लिया।

36 स्वयंसेवक अंतरराज्यीय एनएसएस कार्यक्रम में सहभागी होंगे शामिल

गुजवि के एनएसएस स्वयंसेवकों का विशेष दल केरल के लिए रवाना

अंतरराज्यीय कार्यक्रम से बहुलतावादी संस्कृति और सामाजिक विविधता की म लिगी समझ

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

यहां के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की विभिन्न इकाइयों से चयनित 36 उत्साही विद्यार्थियों का एक विशेष दल सामाजिक सेवा, राष्ट्रीय एकता तथा सांस्कृतिक समन्वय के उद्देश्य से केरल के लिए रवाना हुआ। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह पहल राष्ट्रीय सेवा योजना की मूल भावना को साकार करती है, जिसके अंतर्गत विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ सेवा के आदर्श को आत्मसात करते हैं। ऐसे अंतरराज्यीय कार्यक्रम विद्यार्थियों को भारत की बहुलतावादी संस्कृति, सामाजिक विविधता एवं राष्ट्रीय एकता को निकट से समझने का अवसर प्रदान करते हैं।

साथ ही उनके व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी सशक्त बनाते हैं। उन्होंने सभी स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह अनुभव विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन के साथ-साथ उनके सामाजिक, नैतिक एवं मानवीय दृष्टिकोण को भी समृद्ध करेगा।

कुलपति के तकनीकी सलाहकार प्रो. विनोद छोकर ने कहा कि एनएसएस दल केरल में सेवा कार्यों के माध्यम से विश्वविद्यालय की सामाजिक प्रतिबद्धता, राष्ट्र निर्माण के प्रति संकल्प तथा सेवा से सीख की परंपरा को राष्ट्रीय पटल पर प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत करेगा। एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. महावीर प्रसाद ने बताया कि यह दल अंतरराज्यीय एनएसएस कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थी सेवा, सहभागिता और अनुभवात्मक अधिगम के माध्यम से सामाजिक सरोकारों से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ेंगे।

हिसार। एनएसएस स्वयंसेवकों के दल को रवाना करते कुलसचिव डा. विजय कुमार एवं अन्य अतिथिगण। *फोटो: हरिभूमि*

सेवा, सहभागिता और सीख का संगम

इस शैक्षणिक एवं सेवा उन्मुख अभियान में विश्वविद्यालय से डॉ. विनीता, डॉ. संजीव माथुर, डॉ. विकास, डॉ. सुमित, डॉ. समृद्धि एवं लिपिक दलबीर के नेतृत्व में स्वयंसेवक सामुदायिक सहभागिता, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता, सामाजिक संवेदनशीलता तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान से संबंधित विविध गतिविधियों में सक्रिय योगदान देंगे। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को स्थानीय समुदायों के साथ कार्य करने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगा तथा 'सेवा के माध्यम से सीखने' की भावना को सुदृढ़ करेगा। इस अवसर पर प्रो. एनके बिश्नोई, प्रो. एचसी गर्ग एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे तथा सभी ने दल को उज्ज्वल एवं सफल यात्रा के लिए शुभेच्छाएं प्रदान की।

हिसार। कंपनी एचआर को सम्मानित करते विश्वविद्यालय के अधिकारी।

आठ छात्रों का मल्टीग्राफिक्स प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड में प्लेसमेंट

हिसार। यहां के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से मल्टीग्राफिक्स प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड के ऑन-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के बीटेक प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग टेक्नोलॉजी कार्यक्रम के आठ विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हुआ है। चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने अपने संदेश में कहा कि विश्वविद्यालय का इंडस्ट्री-ओरिएंटेड करिकुलम, अनुभवी संकाय तथा आधुनिक आधारभूत ढांचा नौकरी के लिए तैयार ग्रेजुएट्स को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि मल्टीग्राफिक्स प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में नियमित प्लेसमेंट गुजविप्रौवि की शैक्षणिक उत्कृष्टता और उद्योग सहभागिता दोनों में बढ़ती उपस्थिति को दर्शाते हैं। कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने भी विद्यार्थियों के समर्पण और लगन की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान, मल्टीग्राफिक्स प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक गगन गोयल तथा एचआर प्रतिनिधि शुभम सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने एक महत्वपूर्ण प्री-प्लेसमेंट प्रस्तुति दी।

हिसार। कार्यक्रम में बीपीएल परिवारों को चैक वितरिक करते विधायक रणधीर पनिहार।

सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना गरीब व मध्यम वर्ग के लिए वरदान : रणधीर

हिसार। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत आमजन को सौर ऊर्जा के लाभों से अवगत कराने के उद्देश्य से एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योजना की प्रमुख विशेषताओं, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई। विधायक नलवा रंणधीर पनिहार ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने पात्र नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में योजना का लाभ उठाने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। विधायक ने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा 1 लाख 10 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। इस योजना के माध्यम से लाभार्थी अपने घरों की छत पर सोलर पैनल लगाकर बिजली बिल से राहत पा सकते हैं। सोलर पैनल से स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। इस दौरान बिजली निगम के उच्च अधिकारियों द्वारा योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं इससे होने वाले लाभों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

नारनौंद। गांव माजरा में आग लगने से झुलसे पशुओं का इलाज करते डाक्टर।

माजरा में आग लगने से घर का सामान जलकर राख

नारनौंद। क्षेत्र के गांव माजरा में शुक्रवार की रात को अचानक एक मकान में आग लग गई। मकान के अन्दर पशु भी थे जो पूरी तरह से आग की चपेट में आ गए जिसमें तीन गाय व दो भैंस बुरी तरह से झुलस गई। गांव वालो ने मौके पर पहुंचकर वहां से पशुओं को बाहर निकाला जिससे पशुओं को तो बचा लिया गया परन्तु मकान में रखा समान भी जल कर राख हो गया। पीड़ित संदीप कुमार सोनी ने बताया कि रात को करीब आठ बजे अचानक से आग लगी और कुछ ही समय में आग इतनी फैल गई कि आसपास के लोगों ने मिलकर आग पर काबू पाना चाहा लेकिन आग को काबू नहीं पा सके। मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी बुलाई गई साथ ही डायल 112 पर पुलिस को भी सूचना दी गई।

गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय में पहलवान 19 को दिखाएंगे कुश्ती के दाव पेंच

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

कुश्ती चैंपियनशिप का भव्य आयोजन

कुश्ती फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा अपूव्ड प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में ऑल इंडिया एंट्री यूनिवर्सिटी के नियम अनुसार चैंपियनशिप का आयोजन करवाया जाएगा तथा सभी विजेता खिलाड़ियों को उच्चतर शिक्षा विभाग की तरफ से नगद राशि, मेडल, प्रमाण पत्र और विजेता महाविद्यालय को चैंपियनशिप ट्रॉफी दी जाएगी। कुश्ती चैंपियनशिप के आयोजन सचिव एवं शारीरिक शिक्षा के विभागाध्यक्ष डॉ. सुखबीर सिंह दूहन ने बताया कि 20 जनवरी को अंतरराष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी निर्मला बूरा विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला खिलाड़ियों को प्रेरित करेंगी।

यहां के गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय में 19 जनवरी से अंतर महाविद्यालय राज्य कुश्ती चैंपियनशिप में प्रदेशभर के पहलवान कुश्ती के दाव पेंच दिखाएंगे। चैंपियनशिप का उद्घाटन 19 जनवरी को राज्यसभा सांसद सुभाष बराला करेंगे जबकि 21 जनवरी को पारितोषिक वितरण समारोह में मास्टर एथलेटिक्स ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. धर्मवीर ढिल्लो मुख्य अतिथि के तौर पर विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करेंगे। भाजपा के हांसी जिला अध्यक्ष अशोक सैनी समारोह की अध्यक्षता करेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विवेक कुमार सैनी ने बताया कि 19 जनवरी से उच्चतर शिक्षा निदेशालय द्वारा स्पॉन्सर्ड अंतर महाविद्यालय कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रदेश के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी महाविद्यालयों और यूटीडी की टीम भाग लेंगी। उस दिन सुबह 9 बजे से वजन शुरू हो जाएगा तथा 10 बजे कुश्ती मुकाबले शुरू हो जाएंगे। कुश्ती चैंपियनशिप में महिला व पुरुष दोनों वर्गों में फ्रीस्टाइल तथा ग्रीको रोमन शैली के मुकाबले पुरुष वर्ग में होंगे।

सभी संगठनों से धरने में भागीदारी का आह्वान

■ सरकार अंडरपास तुरंत बनवाए : कपूर सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭उकलाना मंडी

सर्व व्यापार मंडल की बैठक शुक्रवार को अग्रसेन पार्क में हुई। इसमें रेलवे अंडरपास निर्माण की मांग को लेकर विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एकत्रित हुए। बैठक की अध्यक्षता सर्व व्यापार मंडल के अध्यक्ष महेश बंसल ने की।

बैठक को संबोधित करते हुए महेश बंसल ने कहा कि अंडरपास निर्माण को लेकर प्रस्तावित धरने को सफल बनाने के लिए सभी संगठनों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने बताया कि बैठक में 5 से 7 संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनसे अपने-अपने संगठनों से विचार-विमर्श कर धरने में भाग लेने का आग्रह किया गया है, ताकि अंडरपास निर्माण की मांग को मजबूती मिल सके। नगरपालिका अध्यक्ष सुशील साहूवाला ने कहा कि सरकार को अंडरपास की मांग पर तुरंत विचार करना चाहिए, क्योंकि इसके अभाव में मंडी व्यापार को भारी नुकसान हो रहा है।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उन्हें यह भी नहीं पता कि जनप्रतिनिधि किसे कहा जाता है, लेकिन जनहित के मुद्दों पर सरकार को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। ऑटो मार्केट प्रधान कपूर सिंह लोटा ने सभी से धरने को पूर्ण सहयोग देने की अपील करते हुए कहा कि सरकार को चाहिए कि इस अंडरपास का निर्माण शीघ्र करवाए, जिससे आम जनमानस और व्यापारियों को राहत मिल सके।

उकलाना। बैठक में उपस्थित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि।

ये रहे मौजूद

बैठक में महेश बंसल, कपूर सिंह, बलजीत नंबरदार, नीरज बंसल सुशील साहूवाला, महेंद्र दहमनीया, सविंद्र सिंह लोटा, लखविंदर सिंह, सुशील गर्ग, प्रवीण शर्मा, प्रेम सिंह, नरेंद्र गर्ग, हनुमान भादू सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पक्का करने के कोर्ट के फैसले को शिक्षकों और शिक्षा स्टाफ पर लागू किया जाए

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा एवं स्कूल टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया से संबद्ध हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक जिला प्रधान प्रमोद जांगड़ा की अध्यक्षता में स्थानीय सकसं कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक का संचालन जिला सचिव विनोद प्रभाकर ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यापक संघ के राज्य प्रधान प्रभु सिंह, राज्य आडिटर पवन कुमार, जिला प्रधान प्रमोद जांगड़ा व जिला सचिव विनोद प्रभाकर ने बताया कि माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के फैसले अनुसार प्रदेश में कार्यरत सभी अनियमित शिक्षकों एवं सहायक स्टाफ को नियमित करने की मांग को लेकर संगठन ने अतिरिक्त मुख्य सचिव शिक्षा विभाग हरियाणा को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा जैसे गरिमापूर्ण और राष्ट्र-निर्माण से जुड़े कार्य को यदि अनियमित, असुरक्षित और पेंशन-विहीन बना दिया जाए, तो उस देश के विकास की कल्पना करना ही बेमानी है।

हिसार। अध्यापक संघ की बैठक में उपस्थित पदाधिकारी।

अजय बने राष्ट्रीय सैनी सभा हरियाणा के हिसार जिला अध्यक्ष

हिसार। राष्ट्रीय सैनी सभा हरियाणा ने अपने संगठन का विस्तार करते हुए समाजसेवी अजय सैनी को हिसार सैनी समाज का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। राष्ट्रीय सैनी सभा हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष जसबीर सैनी नें समाज के मौजूद लोगों की सहमति पर उन्हें यह जम्मिदारी सौंपते हुए नियुक्ति पत्र दिया। अपनी नियुक्ति पर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अजय सैनी ने कहा की वे पूरी ईमानदारी से सबको साथ लेकर निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करेंगे ओर हर गरीब व जरूरतमंद आदमी की मदद करेंगे। उन्होंने अपनी न्युक्ति पर हरियाणा अध्यक्ष जसबीर सैनी का आभार व्यक्त किया।

हिसार। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अजय सैनी का स्वागत करते गणमान्य व्यक्ति।

प्रदर्शन करके दिया जाएगा राष्ट्रव्यापी हड़ताल का नोटिस : राकेश वशिष्ठ

■ राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर पब्लिक हेल्थ ब्रांच ने की गेट मीटिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की पब्लिक हेल्थ ब्रांच, हिसार ने 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसके तहत सीवरेज शिकायत केंद्र, मुख्य जलघर, द्वितीय जलघर, मिल गेट बुस्टिंग व सातरोड जलघर पर गेट मीटिंगें की गई। गेट मीटिंग को संबोधित करते हुए ब्रांच प्रधान दीपक लोट, सचिव राकेश वशिष्ठ व अन्य वक्ताओं ने बताया कि 19 जनवरी को प्रदर्शन करते हुए उपायुक्त के माध्यम से 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का नोटिस दिया जाएगा। इस प्रदर्शन में पब्लिक हेल्थ के कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि सरकार लगातार कर्मचारियों व आम जनता के हितों पर कुठाराघात कर रही है। आए दिन कर्मचारी विरोधी नीतियां लागू की जा रही हैं।

हिसार। गेट मीटिंग के दौरान प्रदर्शन करते कर्मचारी। *फोटो : हरिभूमि*

आभूषण व स्कूटी चोरी के दो मामलों में तीन गिरफ्तार

■ आभूषण चोरी के आरोपी पुलिस रिमांड पर

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

पीएलए चौकी पुलिस ने आभूषण चोरी के मामले में दो व स्कूटी चोरी के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आभूषण चोरी के आरोपियों को रिमांड पर भी लिया है। पीएलए चौकी पुलिस ने पटेल नगर के एक मकान से सोने-चांदी के आभूषण चोरी के मामले में शास्त्री नगर निवासी संदीप उर्फ दीपू और गौरव उर्फ कद्दू को गिरफ्तार किया है। चोरीशुदा आभूषणों की बरामदगी के लिए दोनों आरोपियों को अदालत में पेश करके एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। चौकी प्रभारी एएसआई अनूप ने बताया कि इस संबंध में 13 जनवरी को पटेल नगर निवासी शिवम जोशी ने शिकायत दी कि वह 2 जनवरी को अपने परिवार सहित मध्यप्रदेश के बकनाशा गया हुआ था। जब 13 जनवरी को वापस लौटे तो उसके घर के ताले टूटे हुए मिले और सामान बिखरा हुआ था। जांच करने पर घर से सोने-चांदी के आभूषण चोरी पाए गए। शिकायत के आधार पर थाना सिविल लाइन में केस दर्ज करके जांच करते हुए इन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसके अतिरिक्त, पीएलए चौकी पुलिस ने 7 जनवरी को जिमखाना क्लब के सामने से स्कूटी चोरी के मामले में आजाद नगर निवासी रवि उर्फ मॉडल को गिरफ्तार किया है।

'मूल्य संवर्धित दुग्ध उत्पाद' विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

डेयरी उद्यमिता को बढ़ावा देंगे, किसान बनेंगे आत्मनिर्भर

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालयद्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों के लिए 'मूल्य संवर्धित दुग्ध उत्पाद' विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. विनोद कुमार वर्मा मुख्य अतिथि व हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सूरज भान विशिष्ट अतिथि रहे। दोनों अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने कहा कि मूल्य संवर्धित दुग्ध उत्पाद किसानों की आय बढ़ाने का एक प्रभावी एवं टिकाऊ माध्यम हैं। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को वैज्ञानिक तकनीकों, गुणवत्ता नियंत्रण, स्वच्छता मानकों एवं विपणन की समुचितजानकारी प्रदान करते हैं, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने कहा कि यदि ग्रामीण परिवार कम से कम एक पशु का पालन करें तो पशुपालन उनके लिए आय का सशक्त साधन बन सकता है। पशुओं से प्राप्त दूध से अनेक प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं, जिनकी बाजार में अच्छी मांग है। इस प्रकार की व्यावहारिक प्रशिक्षण से किसानों को दूध से बनने वाले उत्पादों के निर्माण, पैकेजिंग एवं बिक्रीकी संपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय केनए अवसर मिलेंगे। विशिष्ट अतिथि सूरज भान ने कहा कि डेयरी क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसानों को प्रशिक्षण के माध्यम से उद्यमिता से जोड़ना वर्तमान समय की आवश्यकता है, ताकि वे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन कर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना सकें।

हिसार। कार्यक्रम का शुभारंभ करते कुलपति व अन्य अतिथि। *फोटो : हरिभूमि*

ये उपस्थित रहे

उद्घाटन सत्र में कुलसचिव डॉ. एसएस ढाका, पशु चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. मनोज रोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. नरेश जिंदल, निदेशक आईपीवीएस डॉ. पवन, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशिका डॉ. सोनिया सिंधु, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. गौतम, लेखा नियंत्रक विकास खर्ब, हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक वीरेंद्र श्योराण सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्राध्यापक एवं छात्र उपस्थित रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 18 जनवरी 2026

इन दिनों पूरी दुनिया में जेन जी की काफी चर्चा हो रही है। बिल्कुल युवा इस पीढ़ी का चीजों को देखने का, जीवन को जीने का अलग अंदाज है। ये हर तरह के दबाव, तनाव और बंदिशों से मुक्त होकर जीने के कायल हैं। निकट भविष्य में इनकी जीवनशैली, फैशन सेंस और उनके वर्क पैटर्न में कई बदलाव देखने को मिलेंगे।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आने वाले दिनों में बदल जाएगी जेन जी की लाइफस्टाइल

जेन जी का जिक्र आते ही उत्साह-उमंग से भरी युवा पीढ़ी की छवि मन में उभरती है। लेकिन कई मायने में यह जेनरेशन बहुत समझदार, व्यावहारिक और जीवन को पूरी तरह जीने में यकीन करती है। आने वाले दिनों में इनकी जीवनशैली, फैशन और कार्यशैली में कुछ नए बदलाव दिखेंगे।

कूल लाइफस्टाइल को महत्वः जेन जी के युवाओं का इंटेंशनल लिविंग पर जोर रहेगा। डिजिटल शोर से दूर रहने के लिए जेन जी, पुरानी आदतों जैसे हाथ से पत्र लिखना और शांतिपूर्ण व्यक्तिगत स्थान बनाने की ओर झुकाव दिखाएगी। वर्क कल्चर भी इस तरह बदलेगा कि वे अब केवल सैलरी नहीं बल्कि मेंटल हेल्थ, फ्लेक्सिबल वर्क और अपने वैल्यूज के साथ मैच करने वाले काम को प्राथमिकता देंगे।

सबसे जरूरी हेल्थ-वेलनेसः बढ़ती मानसिक बीमारियों के बीच जेन जी के युवा फिजिकल से ज्यादा मेंटल हेल्थ को लेकर अवेयर रहेंगे। कुछ अध्ययन साबित करते हैं कि 92 प्रतिशत युवा कार्यस्थल और स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना चाहेंगे। युवा ऐसे भोजन और पेय पदार्थों की मांग करेंगे, जो न केवल स्वाद दें, बल्कि तनाव कम करने और ब्रेन हेल्थ मेंटेन करने में मदद करें। योग के साथ-साथ 'ब्रीदिंग टेक्नीक' (सांस लेने की तकनीक) तनाव प्रबंधन के लिए एक बड़ा ट्रेंड बनेगा।

टेक्नोफैशन का ट्रेंडः जल्द ही 'व्हाइट लग्जरी' (शांत विलासिता) का दौर खत्म होगा और जेन जी बोल्ड कलर्स, चमकदार एक्सेसरीज और लेयर्ड ड्रेसेस को अपनाएंगे। युवाओं में विंटेज ब्लेजर, ओवरसाइज्ड टर्टलनेक और मैसेंजर बैग जैसे 'राइटर लुक' का चलन बढ़ेगा। ड्रेस बनाने में नए मैटीरियल आजमाए जाएंगे। जैसे प्लांट बेस्ड फैब्रिक्स और स्मार्ट टेक हुडीज। 'स्मार्ट टेक हुडी' एक ऐसी ड्रेस है, जिसमें नई तकनीक या स्मार्ट फैब्रिक को आराम और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए शामिल किया जाता है, जो इसे सामान्य हुडी से अलग बनाता है। इन हुडीज में स्वास्थ्य की निगरानी करने वाले सेंसर या यात्रा के अनुकूल कई पॉकेट जैसी सुविधाएं हो सकती हैं। जैसे वियरेबल टेक्नोलॉजी के उपयोग से कुछ हाई-एंड स्मार्ट हुडीज में ऐसे सेंसर लगे होते हैं, जो बायोमेट्रिक और फिजिकल डेटा जैसे हृदय गति और तापमान को ट्रैक कर सकते हैं। ये अकसर ब्लूटूथ के माध्यम से स्मार्टफोन एप से जुड़ते हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी फिटनेस मेट्रिक्स की निगरानी कर सकते हैं। या फिर टेक्निकल फैब्रिक्स इस्तेमाल होंगे। जैसे कई 'टेक' हुडीज फाइन फैब्रिक से बनाई जाती हैं, जिनमें नमी सोखने, दुर्गंध-रोधी और दाग-धब्बे हटाने जैसी विशेषताएं होती हैं। ये विशेष रूप से एथलीटों और यात्रियों के लिए डिजाइन की जाती हैं ताकि उन्हें पूरे दिन आरामदायक रखा जा सके। कुछ हुडीज को 'स्मार्ट' इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनमें कई विशेष रूप से डिजाइन की गई पॉकेट्स होती हैं। कुछ कंपनियों की ट्रैवल हुडीज में 15 से अधिक पॉकेट्स होती हैं, जिनमें पासपोर्ट, पावर बैंक, धूप का चश्मा और पानी की बोतल रखने के लिए पॉकेट्स होते हैं।

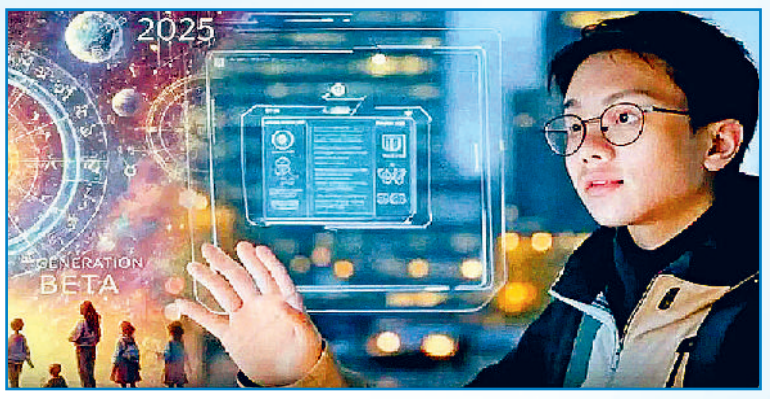

प्रोफेशन में मेंटल पीस को प्रायोरिटीः आने वाले दिनों में जेन जी के लिए वर्क लाइफ बैलेंस और मानसिक स्वास्थ्य लाभ सर्वोच्च प्राथमिकता पर होंगे। लगभग 61 प्रतिशत जेन जी ऐसी नौकरी छोड़ने को तैयार होंगे, जो बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं देती हैं। केवल 23 प्रतिशत जेन जी ही पूरी तरह से रिमोट काम करना चाहेंगे, जबकि अधिकांश हाइब्रिड या ऑफिस में सहयोग को प्राथमिकता देंगे। एक अध्ययन के मुताबिक लगभग 44 प्रतिशत जेन जी उन नौकरी प्रस्तावों को अस्वीकार कर सकते हैं, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों या नैतिकता के खिलाफ होंगे। यह पीढ़ी जॉब सिक्योरिटी के लिए ब्लू-कॉलर जॉब्स में रुचि लेगी।

टेक्नोलॉजी का पॉजिटिव यूजः आने वाले दिनों में जेन जी ज्यादा जिम्मेदारी और समझ से तकनीक के उपयोग की तैयारी में है। जेन जी के युवा एआई को केवल एक टूल नहीं, बल्कि एक रचनात्मक साथी के रूप में देखेंगे। वे एआई द्वारा तैयार की गई तस्वीरों और वीडियो में पारदर्शिता की मांग करेंगे। टेक्नोलॉजी के यूज से खरीदारी का तरीका भी बदलेगा। *

आ चुकी है नई पीढ़ी जेनरेशन बीटा

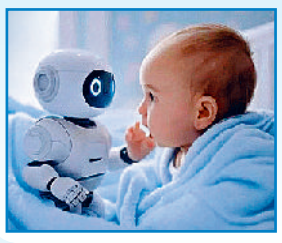

जेन जी के बारे में जानने के साथ यह जानना भी दिलचस्प है कि नेक्स्ट जनरेशन का उदय हो चुका है। 2025 से 2039 के बीच पैदा होने वाले बच्चों को 'जनरेशन बीटा' कहा जाएगा, जो जेन जी और जेन अल्फा के बाद की सबसे एडवांस जेनरेशन होगी। यह जेनरेशन तो एआई के साथ खेलते-जीते बड़ी होगी। उनका भविष्य आगामी वर्षों में होने वाली टेक्नो डेवलपमेंट पर डिपेंड करेगा।

डीपफेक के मिसयूज से आपको रहना होगा कॉन्शस

तकनीक ने हमारे जीवन को जितना सुविधाजनक बनाया है, उसके दुरुपयोग ने कई खतरे भी बढ़ाए हैं। डीपफेक तकनीक का मिसयूज भी इन खतरों में से एक है। इससे बचने के लिए हम सभी का कॉन्शस रहकर तकनीक का यूज करना जरूरी हो गया है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

किसी के भी चेहरे को लेकर एआई जनरेटेड कंटेंट बनाने की नकारात्मक प्रवृत्ति अब खूब देखने को मिल रही है। तकनीक के दुरुपयोग की यह मानसिकता व्यक्तिगत रूप से किसी इंसान की साख खराब करने के साथ ही आपराधिक घटनाओं का भी कारण बन रही है।

किए जा रहे हैं रोकने के प्रयासः डीपफेक के मिसयूज पर लगाम लगाने के लिए पिछले महीने लोकसभा में रेग्युलेशन बिल पेश किया गया। इस बिल का उद्देश्य लोगों के चेहरे का गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर लगाम लगाना है। इस बिल में किसी भी एआई जेनरेटेड सामग्री को इंटरनेट पर डालने से पहले उस व्यक्ति की अनुमति लेनी जरूरी होगी। साथ ही एआई जेनरेटेड कंटेंट के गलत इस्तेमाल को लेकर जुर्माने और सजा का प्रावधान किया जाएगा। तकनीक के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए अत्याधुनिक टेक्निकल टूल्स और कानून के साथ सेल्फ रेगुलेशन भी जरूरी है।

तकनीक का करते हैं मिसयूजः डीपफेक टेक्नीक के जरिए किसी फोटो में दूसरे का चेहरा लगाया जा सकता है। किसी वीडियो में दूसरी आवाज सेट कर दी जाती है। फेक चेहरा लगाने के बावजूद बिल्कुल असली लगने वाली इस एडिटिंग को मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से अंजाम दिया जाता है। रीयल लगने वाले ऐसे फेक वीडियो और ऑडियो को विशेष सॉफ्टवेयर की मदद से तैयार करने का खेल किसी भी इंसान की छवि बिगाड़ सकता है। इसमें ना केवल तस्वीर बिल्कुल असली लगती है, बल्कि वॉयस क्लोनिंग के माध्यम से आवाज भी हूबहू कॉपी की जा सकती है। इस तरह डीपफेक तकनीक के जरिए तैयार किए गए फेक कंटेंट का इस्तेमाल फाइनेंशियल और दूसरे कई तरह की धोखाधड़ी, सेलिब्रिटी पोर्नोग्राफी, पर्सनल या सोशल दुष्प्रचार, पहचान की चोरी जैसे गलत उद्देश्यों के लिए किए जाने के मामले सामने आए हैं। फोटो मॉर्फिंग कर एकदम रीयल लगने वाली अश्लील तस्वीरें बनाने से लेकर वीडियो में किसी और की आवाज कॉपी कर कुप्रचार करने तक अनगिनत खतरे हमारे सामने हैं। ऐसे में डीपफेक तकनीक से जुड़े खतरों का सामना करने के लिए आम यूजर्स में आत्मनियमन का भाव जरूरी है। तस्वीर हो या वीडियो, अपने जीवन का हर पहलू सोशल मीडिया में साझा करने से पहले सोचना जरूरी है। शेयर की जा रही सामग्री के बढ़ते दुरुपयोग पर लगाम लगाने में खुद यूजर्स की समझदारी भी मददगार बन सकती है।

कंटेंट शेयरिंग में समझदारीः किसी जमाने में पब्लिक प्लेटफॉर्म्स पर केवल चर्चित चेहरों के फोटो और वीडियो ही मौजूद होते थे। फिल्म, राजनीति या खेल की दुनिया के जाने-माने लोगों की आवाज या तस्वीरें ही वर्चुअल मंचों पर मिला करती थीं। स्मार्ट गैजेट्स की बढ़ती दखल के मौजूदा दौर में स्थितियां बदल गई हैं। सोशल मीडिया के बहुत से प्लेटफॉर्म्स पर चर्चित चेहरों के ही नहीं आम लोगों के भी आडियो, वीडियो और फोटोज मौजूद होते हैं। ऐसे में आम लोग भी तकनीक का दुरुपयोग करने वाले लोगों की विकृत मानसिकता के शिकार बन रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक ने आम और खास हर इंसान की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। आए दिन एआई टेक्निक के दुरुपयोग के मामले सामने आ रहे हैं। न केवल डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं बल्कि नेगेटिव न्यूज, ऑडियो-वीडियो और अश्लील तस्वीरें फैलाने का काम भी किया जा रहा है। 2019 एआई फर्म डीपट्रेस ने इंटरनेट पर 15 हजार डीपफेक वीडियो का पता लगाया था। जिनमें 96 फीसदी पोर्नोग्राफी से जुड़े थे। समझना मुश्किल नहीं कि बीते छह-सात वर्ष में तकनीकी एडवांसमेंट भी बढ़ा है और आम लोगों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया जा रहा कंटेंट भी। ऐसे में फेक कंटेंट तैयार करने के मामलों में भी इजाफा हुआ है। जरूरी है कि यूजर पर्सनल कंटेंट शेयर करने में सतर्कता बरते। *

गजल
कृष्ण बिहारी

तुम्हारी सोहबत में

बड़ी खुशबू मिली हमको तुम्हारी सोहबत में,
जड़ों से जुड़ गए देखो तुम्हारी सोहबत में।

मेरे कदमों की आहट गली भी जानती है,
उसे भी मिल रही शोहरत तुम्हारी सोहबत में।

सफर में मुश्किलें तो थीं मगर था हौसला भी,
सितारों तक पहुंच पाया तुम्हारी सोहबत में।

सादगी में कब ढंका है रूप का दरिया मगर,
आइने में उतर आया तुम्हारी सोहबत में।

जमाना भी कहां जाने ये किसकी ताकत है,
हिमालय तक उठा लाया तुम्हारी सोहबत में।

तपी थी दोपहर फिर भी मुकद्दर से मिली हमको
मुसीबत में घनी छाया तुम्हारी सोहबत में।

व्यंग्य / अशोक वाधवानी

जीने के लिए खाना या खाने के लिए जीना

आमूमन मनुष्य कोई काम-धंधा करे या फिर नौकरी, यह कहना नहीं भूलता कि 'पापी पेट के लिए ये सब करना पड़ता है!' जबकि सच्चाई यह है कि पेट के लिए मनुष्य मुश्किल से 20-25 प्रतिशत ही खर्च करता है। बाकी आवश्यकताओं पर पेट से ज्यादा खर्च करना पड़ता है। ये और बात है कि इस तथ्य को लोग अपनी सहूलियत अनुसार सिरे से नकार देते हैं। खाने-पीने वालों की दो प्रजातियां पाई जाती हैं। पहले, जीवन जीने के लिए जितना जरूरी है, उतना ही नाप-तौल कर, ठोक-बजाकर खाते हैं। दूसरे, जो जी में आए, जब जी चाहे, जैसा भी मिले सहर्ष स्वीकारते हैं। शान से बताते हैं कि वे 'खाते-पीते' परिवार वाले हैं। उनका तर्क होता है कि जब तक जान है, हर तरह के खाद्य पदार्थों को चखना चाहिए। ऐसे लोग जिस तरह से हर खाने-पीने की चीजों को पेट के सुपुर्द करते हैं, उससे लगता है कि धरती पर खाने-पीने के लिए ही जन्मे हैं। अर्थात इन लोगों को दिन-रात खाने-पीने की ही चिंता सताती है। जीने के लिए जितना जरूरी है उतना खाने-पीने वाले लोग भी, कभी-कभार आकर्षक व्यंजनों को देखकर 'पिघल' जाते हैं। ऐसे लोग विवाह समारोह आदि जगहों पर इस कठोर नियम को अपनी सुविधा के लिए 'शिथिल' कर देते हैं, जिस तरह उड़ते पतंग को इच्छानुसार ढील दी जाती है। कई 'चटोरे-चटोरियां' पेट को प्रयोगशाला मानकर, हर तरह के सलाद, नमकीन, खट्टा, मीठा, तीखा, फीका, फल। सब कुछ एक के बाद एक पेट को अर्पण-समर्पण करते जाते हैं।

कुछ लोगों का नियम होता है कि सांझ ढलने के बाद दही, छाछ छूते नहीं हैं। अचार खाना तो दूर की बात है। ऐसे लोग इन बातों को नजरअंदाज करके इन जगहों पर ऐसी चीजों का भी स्वादानुसार सेवन करते हैं। मधुमेह वाले मजबूरन सिर्फ फीकी चाय पीना अनिवार्य समझते हैं। या फिर स्वाद के लिए 'शुगर फ्री' गोलियां डालकर पीते हैं। ऐसे लोग भी यहां आकर मीठी चीजें बड़े चाव से चखते हैं। किसी ने इस बाबत रोका-टोका तो खिसियाते हैं। खुलकर, बहाना बनाते कहते हैं, 'फलां व्यक्ति ने आग्रहपूर्वक जबरदस्ती प्लेट में डाल दिया है, वर्ना आप तो जानते ही हैं कि ये सब वर्जित है मेरे लिए।'

कइयों की दृष्टि में फल खाने का सही समय सुबह खाली पेट है। ज्यादा से ज्यादा नाश्ते या दोपहर के भोजन के पहले/बाद में फल खाना स्वास्थ्य के लिए हितकारक बताते हैं। ऐसों में से कुछ को रात के समारोह में तरह-तरह के फल खाते हुए देख सकते हैं। समारोह में घुसते ही कुछ लोग सारे स्टॉल पर नजरें दौड़ाकर सुनिश्चित करते हैं कि कौन-सा खाद्य पदार्थ 'टेस्टी' होगा। देखने के बाद तय करते हैं कि पहले, बीच में और अंत में क्या खाना श्रेयस्कर होगा?

जल्दी पहुंचने वाले कुछ रायता पहले ही खा लेते हैं। उन्हें पता होता है कि थोड़ी देर कर दी तो रायते को 'पतला' होने से कोई रोक नहीं सकता है। ऐसे समारोहों में पानी पूरी के स्टाल पर भारी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसा प्रतीत होता है कि पानी पूरी दुनिया में अब कहीं और नहीं मिलेगा। बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग, स्त्री-पुरुष सभी हाथ में 'कटोरी' लिए हुए छीना-झपटी करते हुए दिखते हैं। कुछ अपनी बारी की प्रतीक्षा बड़ी बेसब्री से करते रहते हैं।

ऐसे ही एक कार्यक्रम में मुझसे चटोरेमल टकरा गए। उन्होंने अपने खाद्य ज्ञान की कई बातें बताईं। जैसे वे सबसे पहले आइसक्रीम खाते हैं। उसके बाद हल्का-फुल्का नाश्ता करके फिर आइसक्रीम खाना अपना कर्तव्य समझते हैं। भोजन बाद 'कार्यक्रम' समाप्ति की घोषणा अंतिम बार आइसक्रीम खाकर ही करते हैं। उन्होंने एक पते की बात बताई कि शौकीन होने पर भी आइसक्रीम कभी खरीदकर खाना जरूरी नहीं समझा।

मानव के रूप में कोई महामानव भी मिल सकते हैं जो कि पेट को 'पीड़ा' पहुंचाना नहीं चाहते हैं। इस तरह के उंगलियों पर गिने जाने वाले कुछ जापानी पद्धति 'हारा हचिबू' पर अमल करते हुए भूख से कम ही खाते हैं ताकि वे सदा चुस्त, दुरुस्त, तंदुरुस्त रहें। ऊंट के मुंह में जीरा समान ऐसे लोगों की थाली में सिर्फ दाल और चावल दिखता है। वे सब्जी तक नहीं खाते। ये महानुभाव दाल, चावल में ही संतुष्ट होते हैं। हालांकि ऐसी प्रजाति के लोग कम ही पाए जाते हैं। *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

लघुकथा / सिराज अहमद

उड़ान

काफी देर तक होमवर्क करते हुए सोहन बहुत थक और ऊब चुका था। मन बोझिल हुआ तो उसने कॉपी का पिछला पन्ना फाड़ा और अपनी कल्पनाओं को कागज पर उकेरने लगा। देखते ही देखते उसने उसमें रंग भरे और एक प्यारा सा कागज का हवाई जहाज तैयार कर लिया। जैसे ही उसने जहाज उड़ाने के लिए हाथ ऊपर उठाया, तभी कमरे में उसके पापा ने प्रवेश किया। हाथों में खिलौना देख पापा का पारा चढ़ गया। उन्होंने सोहन को जोर से डांटा और होमवर्क पूरा करने का आदेश देकर चले गए। सोहन सहम गया। थके हुए शरीर और बेमन से उसने अपना बचा हुआ होमवर्क पूरा किया। रात होने पर सोहन को खाना खिलाकर सुला दिया गया, क्योंकि सुबह स्कूल जाने के लिए जल्दी उठना था। देर रात जब पापा कमरे में आए, तो उनकी नजर सोहन के बेड के नीचे पड़े उसी कागज के हवाई जहाज पर पड़ी। उन्होंने झुककर उसे उठाया और गौर से देखा, तो उनकी आंखें सुखद आश्चर्य से भर गईं। वो महज एक खिलौना नहीं, कला का एक सुंदर नमूना था। एक सादे से पन्ने में सोहन ने रचनात्मकता के रंग भर दिए थे। उन्हें लगा कि यह केवल एक खिलौना नहीं, नन्हे कलाकार की उड़ान है। *

आपको रोमांच से भर देगी इन हिल स्टेशंस की सैर

गुलमर्ग

गर्मी के मौसम में हिल स्टेशंस की सैर तो आपने कई बार की होगी। लेकिन अगर सर्दियों मे चिल्ड एडवेंचर फील करना चाहते हैं तो देश के अलग-अलग स्थानों में स्थित किसी हिल स्टेशन का रुख कर सकते हैं। ऐसे ही सात बेहद खूबसूरत हिल स्टेशनों के बारे में यहां बता रहे हैं।

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस
समीर चौधरी

आमतौर पर गर्मी के मौसम में राहत पाने के लिए ही लोग हिल स्टेशंस की यात्रा करना पसंद करते हैं। लेकिन कुछ लोग सर्दी के मौसम में बर्फबारी का रोमांच महसूस करने के लिए भी हिल स्टेशनों की सैर पर जाना पसंद करते हैं। ऐसे एडवेंचर लवर टूरिस्ट्स के लिए अपने देश में कई अमेजिंग हिल स्टेशंस हैं।

नैनीताल

ऊटी

दार्जिलिंग

कुर्ग (कोडगु)

पहाड़ों की रानी मसूरी: उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से लगभग 26 किमी. के फासले पर गढ़वाल हिमालय पर्वत श्रंखला की जड़ में स्थित है खूबसूरत हिल स्टेशन मसूरी। मसूरी को 'पहाड़ों की रानी' भी कहा जाता है। यह समुद्र की सतह से तकरीबन 6,565 फीट की ऊंचाई पर है। जाड़ों में यहां का मौसम ठंडा और आसमान में कुछ बादल छाए रहते हैं। दिसंबर से फरवरी तक बर्फबारी होती है, हालांकि हाल के वर्षों में बर्फबारी कम होने लगी है। मसूरी में बर्फबारी के अतिरिक्त भी देखने को बहुत कुछ है, जैसे- कैमल बैक रोड, लाल टिब्बा, गन हिल, कैंपटी फाल्स, लेक मिस्ट, मसूरी झील, भट्टा फाल्स आदि। आप यहां यमुना घाटी में स्थित भद्रराज मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं, जोकि श्री कृष्ण के भाई बलराम को समर्पित मंदिर है। इसके पास में ही सैन्य छावनी लैंढोर, बार्लेगेज, झरीपानी कस्बे जैसी जगहें हैं, जो 'विस्तृत मसूरी' का ही हिस्सा माने जाते हैं।

धुंध-कोहरे में छिपा नैनीताल: उत्तराखंड के ही कुमाऊं क्षेत्र में एक अन्य खूबसूरत हिल स्टेशन है नैनीताल, जोकि देहरादून से 276 किमी के फासले पर है। नैनीताल जाड़ों में थोड़ा सूखा और गर्मियों में मानसून की वजह से काफी गीला रहता है। यहां नवंबर के मध्य से मार्च के मध्य तक जाड़े का मौसम रहता है। दिसंबर-जनवरी में यहां धुंध और कोहरा छाया रहना आम बात है। नैनीताल में कई दर्शनीय स्थल हैं, जैसे- नैना देवी मंदिर, नैनीताल जू, जामा मस्जिद, सेंट जॉन इन द वाइल्डरनेस चर्च, इको केव गार्डंस आदि।

नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी: तमिलनाडु की नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी हिल स्टेशन भी जाड़े के मौसम में घूमने लायक स्थान है। ऊटी में दक्षिण-पश्चिम व उत्तर-पूर्व दोनों मानसूनों से भारी वर्षा होती है, जिससे यहां का तापमान कभी-भी बहुत अधिक नहीं होता है। ऊटी में आज तक रिकॉर्ड किया गया अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस है, जो 30 अप्रैल 2024 को रिकॉर्ड किया गया था। ऊटी झील के पास स्थित बोट हाउस नौका विहार का अवसर प्रदान करता है, इसलिए यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र है। यहां के गवर्नमेंट बोटेनिकल गार्डन में पौधों की अनेक देशज और विदेशी प्रजातियां पाई जाती हैं। एल्क हिल की ढलान पर बने रोज गार्डन में गुलाबों की 20,000 से अधिक वैरायटी हैं। यह भारत के सबसे बड़े रोज गार्डंस में से एक है। यहां झील के किनारे ही एक डियर पार्क भी है।

फूलों की वादी गुलमर्ग: गुलमर्ग, जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित सुंदर हिल स्टेशन है, जो विख्यात पर्यटक स्थल और स्कीइंग डेस्टिनेशन है। 'फूलों की वादी' नाम से मशहूर गुलमर्ग में जाड़ों में जबरदस्त बर्फबारी होती है। गुलमर्ग एशिया के टॉप 10 स्कीइंग डेस्टिनेशंस में शामिल है। यहां अफरवत पहाड़ी की ढलान पर स्कीइंग के अतिरिक्त अन्य विंटर स्पोर्ट्स के लिए भी लोग जाते हैं। गुलमर्ग में विश्व का सबसे बड़ा इग्लू कैफे है। 2023 में यहां ग्लास इग्लू रेस्टोरेंट का भी निर्माण किया गया है।

प्राकृतिक सुंदरता का संगम दार्जिलिंग: पश्चिम बंगाल में प्राकृतिक सुंदरता व खूबसूरत चाय के बागानों से भरा-पूरा है दार्जिलिंग हिल स्टेशन। यह स्थान दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (टॉय ट्रेन) के लिए भी विख्यात है, जिसकी सवारी के दौरान दुनिया के तीसरे सबसे ऊंचे पर्वत कंचनजंगा का मनोरम नजारा देखने को मिलता है। यहां ऑब्जर्वेटरी हिल पर स्थित महाकाल मंदिर, टाइगर हिल, हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टिट्यूट और बोटेनिक गार्डन जैसी जगहें भी पर्यटकों के लिए आकर्षण के केंद्र हैं। दार्जिलिंग तिब्बती, नेपाली और स्थानीय संस्कृति का मिश्रण है। यह हिमालयी उत्पादों का स्थानीय बाजार भी है।

भारत का स्कॉटलैंड यार्ड कूर्ग: 'स्कॉटलैंड ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर कर्नाटक में स्थित कूर्ग (कोडगु) अपनी शानदार प्राकृतिक सुंदरता के लिए विख्यात है, विशेषकर अपने विशाल, खुशबूदार कॉफी बागान, धुंध भरी हरी पहाड़ियों, झरनों, जैव विविधता और विशिष्ट कोडव संस्कृति के लिए। यहां शांत लैंडस्केप और एडवेंचर गतिविधियों जैसे ट्रेकिंग व रिवर राफ्टिंग का परफेक्ट संतुलन है। यहां ओमकारेश्वर मंदिर, तिब्बती नामड्रोलिंग मठ जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल भी हैं। यहां ऐतिहासिक मदिकेरी फोर्ट भी है।

केरल का हिल स्टेशन मुन्नार: केरल का हिल स्टेशन मुन्नार अपने टी प्लांटेशन, ठंडे वातावरण, एराविकुलम नेशनल पार्क और अनामुडी चोटी जैसी प्राकृतिक रूप से सुंदर जगहों के लिए विख्यात है। पश्चिमी घाटों की पहाड़ियों में स्थित यह ब्रिटिश राज का पूर्व रिजॉर्ट, हाईकिंग के लिए भी अच्छी जगह है। यहां के झरने और वाइल्डलाइफ भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। *

कॉल फॉर्वर्ड स्कैम से बचें बदलें अपनी फोन सेटिंग्स

इन दिनों डिजिटल स्कैम के नए-नए तरीके सामने आते रहते हैं। इनमें से ही एक है कॉल फॉर्वर्डिंग स्कैम। इसके बारे में पता न होने पर आपका बैंक अकाउंट खाली हो सकता है। ऐसे में इस स्कैम और इससे बचने के तरीकों के बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

प्रिकॉशन
वीरेंद्र बहादुर सिंह

हाल के सालों में देश में साइबर ठगी के मामलों में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। साइबर ठग नई-नई तरकीबें अपनाकर आम लोगों से लेकर अधिकारी और सेलिब्रिटीज तक को निशाना बनाकर पैसे ठग रहे हैं। ठग सिर्फ फेक लिंक या एप के जरिए ही नहीं, बल्कि मोबाइल के एक कॉमन फीचर का दुरुपयोग करके भी लोगों को फंसा रहे हैं। ठगों की इस नई चाल के सामने आने के बाद गृह मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाली संस्था इंडियन साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर ने अलर्ट जारी किया है।

समझें कॉल फॉर्वर्डिंग फीचर: इस अलर्ट में बताया गया है कि साइबर ठग मोबाइल के कॉल फॉर्वर्डिंग फीचर को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। इस फीचर के जरिए ठग पहले एक सामान्य कॉल या मैसेज करके ठगी की शुरुआत करते हैं। कई मामलों में ठग खुद को कूरियर कंपनी का कर्मचारी या डिलीवरी एजेंट बताकर कॉल करता है और कहता है कि आपके नाम से एक पार्सल आया है या डिलीवरी में कोई समस्या है।

विश्वास दिलाने के लिए वह एक मैसेज भी भेजता है और कहता है कि समस्या हल करने के लिए आपको एक नेक कोड डायल करना होगा। यहीं से ठगी की असली शुरुआत होती है। यह नेक कोड आमतौर पर 21, 61 या 67 से शुरू होते हैं। ठग की बातों में आकर यूजर बिना सोचे-समझे यह कोड डायल कर देते हैं, जिससे उनके फोन में कॉल फॉर्वर्डिंग एक्टिव हो जाती है। इसका मतलब यह होता है कि यूजर को आने वाली सभी कॉल किसी दूसरे नंबर पर फॉर्वर्ड होने लगती हैं।

ऐसे होता है कॉल फॉर्वर्डिंग स्कैम: संस्था के अनुसार, जब ठग इस तरह यूजर को फंसा लेते हैं तो उसके बाद यूजर को आने वाली सभी काल, स्कैमर के नंबर पर जाने लगती हैं। इसके कारण बैंक द्वारा किए जाने वाले वेरिफिकेशन कॉल, ओटीपी और अलर्ट सीधे उसके फोन पर पहुंच जाते हैं। इससे यूजर को भारी आर्थिक नुकसान होने का खतरा बढ़ जाता है।

अगर कॉल फॉर्वर्ड हो जाए: ओटीपी और वेरिफिकेशन कॉल ठग तक पहुंच जाने पर वह बैंक एकाउंट से लेकर व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया एकाउंट तक आसानी से हैक कर सकता है। कई मामलों में यूजर को तब पता चलता है, जब उसके एकाउंट से पैसे निकल चुके होते हैं या उसका सोशल मीडिया अकाउंट किसी और के कंट्रोल में चला जाता है।

रहें सावधान: इस नई तकनीकी ठगी की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें न तो किसी लिंक पर क्लिक करने की जरूरत होती है और न ही कोई एप इंस्टॉल कराना पड़ता है। सिर्फ एक कोड डायल करने से ही यूजर बड़ी परेशानी में फंस सकता है। इसी कारण संस्था ने विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है, क्योंकि आमतौर पर लोग नेक कोड को खतरनाक नहीं मानते। लेकिन अब ठगों ने इन्हें भी हथियार बना लिया है। *

मोबाइल में ऐसे बदलें सेटिंग

संस्था ने साफ कहा है कि अगर मोबाइल में काल फॉरवर्डिंग चालू होने का शक हो तो तुरंत '002' डायल करें। यह कोड सभी तरह की कॉल फार्वर्डिंग को बंद कर देता है और कॉल फिर से आपके फोन पर आने लगती हैं।

आज के समय में साइबर ठग पैसे ठगने के लिए लगातार नई तरकीबें अपना रहे हैं। ऐसे में किसी भी अनजान कॉल, डिलीवरी मैसेज या नेक कोड को बिना सोचे-समझे डायल करना भारी पड़ सकता है। इसलिए हमेशा सतर्क रहें।

हाल के महीनों से सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी दिखने वाली डॉल 'लाबुबू' ट्रेंड कर रही है। इसकी प्यारी संरचना बच्चों को खूब लुभाती है। क्या है लाबुबू डॉल और कैसे हो गई यह इतनी पॉपुलर, आप भी जानिए।

बच्चे-बड़ों सभी को लुभाती है क्यूट मॉन्स्टर डॉल लाबुबू

रोचक
शिखर चंद जैन

हाल के दिनों में लाबुबू डॉल ने पूरी दुनिया के करोड़ों बच्चों और बड़ों के दिलों में अपनी जगह बना ली है। इस डॉल ने जिस तेजी से लोकप्रियता अर्जित की है, उससे दुनिया भर के खिलौना विशेषज्ञ हैरान हैं। लाबुबू सिर्फ एक डॉल नहीं है बल्कि यह रहस्य और आकर्षण से भरपूर एक किरदार है, जो दुनिया भर के लोगों को अपनी तरफ आकर्षित कर रही है।

नॉर्डिक पौराणिक कथाओं से प्रेरित: लाबुबू डॉल पहली बार 2015 में हांगकांग के आर्टिस्ट कासिंग लुंग की डॉल सीरीज 'द मॉन्स्टर्स' के एक भाग के रूप में सामने आई थी। कासिंग को इसकी प्रेरणा नॉर्डिक पौराणिक लोक कथाओं से मिली थी। नॉर्डिक लोककथाओं के कई विचित्र और अनोखे पात्रों को कासिंग ने 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज के अंतर्गत प्रस्तुत किया। इनमें जिमोमो, टायकोको, स्पूकी, लाबुबू, पाटो आदि शामिल हैं। इन सबमें से अपने नुकीले कानों, चुटीली मुस्कान और तीखे दांतों के साथ लाबुबू डॉल इन दिनों सबसे ज्यादा पसंद की जा रही है। इसके क्रिएटर कासिंग लुंग ने भी नहीं सोचा होगा कि 10 साल बाद उनके बनाए डॉल की मांग और लोकप्रियता इतनी बढ़ जाएगी।

वास्तव में क्या है लाबुबू: लाबुबू एक शरारती स्वभाव वाला पात्र है। मूल नॉर्डिक कहानियों के अनुसार, लाबुबू असल में एक फीमेल कैरेक्टर है। वह अपने ऊंचे-नुकीले कानों, नौ नुकीले दांतों और अपनी चंचल अभिव्यक्ति से आसानी से पहचानी जा सकती है। कई अन्य काल्पनिक जीवों के विपरीत, लाबुबू की कोई पूंछ नहीं होती, जो उसे एक अलग पहचान देती है। पिछले कुछ वर्षों में, लाबुबू को 300 से ज्यादा रूपों में रिलीज किया गया है। प्रत्येक रूप अलग-अलग रंगों, आकारों और थीम के साथ सामने आए हैं। लाबुबू के हर नए संस्करण खूब पसंद किए जाते हैं।

कासिंग लुंग-पॉप मार्ट की साझेदारी: 2019 में कासिंग लुंग ने चीन की खिलौना निर्माता कंपनी पॉप मार्ट के साथ साझेदारी की। पॉप मार्ट एक अग्रणी वैश्विक खिलौना निर्माता कंपनी है और अपने संग्रहणीय खिलौनों के लिए जानी जाती है। इस साझेदारी के बाद कासिंग लुंग की 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज की डॉल्स, खासतौर से लाबुबू लोगों के बीच कॉफी पॉपुलर होने लगी। लाबुबू की वी-1 और वी-2 सीरीज के अंतर्गत छह नियमित संस्करण और एक दुर्लभ 'गुप्त' संस्करण उपलब्ध है। वी-2 सीरीज में, गुप्त लाबुबू (डुओडुओ) अपनी आंखों में एक अनोखी चमक और प्यारी लाल नाक के साथ मिलती है। पॉप मार्ट ने लाबुबू को 'ब्लाइंड-बॉक्स' में बेचना शुरू किया। इस प्रारूप का अर्थ है कि डॉल खरीदने वाले को बॉक्स खोलने तक यह पता नहीं चलता कि उन्हें लाबुबू का कौन-सा संस्करण मिलेगा। इससे खरीदने वाले में सस्पेंस और एक्साइटमेंट बना रहता है, जिससे इस डॉल की बिक्री में काफी इजाफा हुआ।

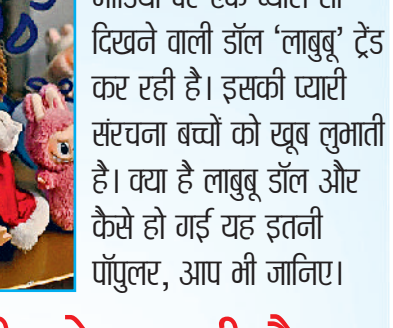
लाबुबू के संग पॉप मार्ट के सीईओ वांग निंग

कइयों का पसंदीदा लाबुबू पेंडेंट: लाबुबू की लोकप्रियता सिर्फ डॉल्स तक ही सीमित नहीं है। यह पेंडेंट के रूप में भी मिलता है, जिन्हें दुनिया भर में लोग बैग चार्म्स के रूप में इस्तेमाल करते हैं। अलग-अलग थीम वाले ये मनमोहक चार्म्स विभिन्न रंगों में उपलब्ध हैं, इनके सिर, भुजाएं और पैर अडजस्टेबल हैं, जो इन्हें बैग पर लगाने या घर पर सजाने के अनुकूल बनाते हैं।

सेलिब्रिटीज ने बढ़ाई लोकप्रियता: अप्रैल 2024 में, कोरियन बैंड ब्लैकपिंक की लिसा ने विशाल लाबुबू डॉल वाली एक इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट की, जिसके बाद एक और स्टोरी आई जिसमें उन्होंने अपने बैग को लाबुबू चार्म से सजाया था। इसके बाद रिहाना और दुआ लीपा भी इस डॉल के साथ नजर आई थीं। इस प्रचार ने लाबुबू डॉल को पॉप प्रशंसकों और डिजाइनर खिलौना संग्राहकों के बीच पॉपुलर बना दिया। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे सहित कई इंडियन सेलिब्रिटीज भी लाबुबू को अलग-अलग ढंग से कैरी करते दिखे, जिससे इसकी डिमांड अपने देश में भी बढ़ गई।

सांस्कृतिक प्रतीक: लाबुबू खिलौना संग्राहकों और कला प्रेमियों के बीच एक सांस्कृतिक प्रतीक बन गया है, जो आनंद, शरारत और रचनात्मकता को एक साथ रिप्रजेंट करता है। इसीलिए लाबुबू अधिकांश लोगों को पसंद आता है। लाबुबू महज एक आकृति या डॉल नहीं है। यह एक भावना है, एक स्मृति है, जो प्राचीन नार्वेडियन संस्कृति से जुड़ी है। *

लाबुबू की मुख्य विशेषताएं

नुकीले कान: चुस्त और सतर्क लाबुबू के नुकीले कान इसे एक प्यारा लेकिन शरारती रूप देते हैं। लाबुबू के नुकीले कानों को देखकर बच्चों को खूब मजा आता है।

तीखे दांत: इसके छोटे नुकीले दांत पहली नजर में डरावने लग सकते हैं, लेकिन वे लाबुबू के आकर्षण को बढ़ाते हैं। ज्यादातर बच्चों को ये डरावने की बजाय प्यारे लगते हैं।

बड़ी-भावपूर्ण आंखें: अपनी बड़ी और भावपूर्ण आंखों के जरिए लाबुबू जिज्ञासा से लेकर शरारत तक की भावनाओं को व्यक्त करती है, जो इसके प्रशंसकों को लुभाता है।

कॉम्पैक्ट आकार: कुछ इंच लंबी, लाबुबू पॉकेट के आकार का टॉय फ्रेंड है, जिसे आप कहीं भी ले जा सकते हैं, किसी भी चीज में इसे जोड़ सकते हैं।

विविध डिजाइन: क्लासिक्स से लेकर थीम आधारित वेशभूषा तक हर मूड, अवसर के लिए बच्चे-बड़े सभी को यह पसंद आती है।

देश-विदेश के फेमस लोकेशंस पर तो फिल्मों की शूटिंग होती ही रहती है। लेकिन कुछ ऐसी बॉलीवुड फिल्में भी बनती रही हैं, जिनको ऑफबीट लोकेशंस या छोटे शहरों में शूट किया गया। ऑफबीट लोकेशंस पर शूट हुई फिल्मों पर एक नजर।

छोटे-छोटे लोकेशंस पर हुई कई बड़ी फिल्मों की शूटिंग

फिल्म ट्रेंड
सरस्वती रमेश

बॉलीवुड में महानगरों और खूबसूरत विदेशी लोकेशंस पर फिल्में शूट करने का ट्रेंड शुरुआत से ही रहा है। आज भी अधिकांश निर्माता फिल्म बजट के अनुसार देश-विदेश के फेमस लोकेशन पर फिल्म शूटिंग जरूर करना चाहते हैं। लेकिन कई ऐसे भी फिल्म मेकर्स हुए हैं, जिन्होंने देश के छोटे शहरों या कहें दूर-दराज के किसी लोकेशन को फिल्म शूट के लिए चुना। ऐसी फिल्में भी दर्शकों ने खूब पसंद कीं, जिससे ये छोटी जगहें भी देश-विदेश में खूब चर्चित हुईं।

चंदेरी: किसी ब्लॉकबस्टर मूवी के सीन में अपने छोटे से शहर या कस्बे का पुल, हवेली, गलियां, रेलवे स्टेशन या इमारत दिख जाए तो मन हुलास से भर उठता है। बिल्कुल यही हुलास चंदेरी के लोगों में मन में भी तब उठा, जब उन्होंने अपने कस्बे में खुले पहले सिनेमा हॉल में लगी पहली ही फिल्म 'स्त्री' देखी। मध्य प्रदेश में बेतवा नदी के किनारे बसा एक छोटा-सा कस्बा है चंदेरी। यह कस्बा पहाड़ों, जंगलों और तालों की खूबसूरती और शांत-सुरम्य वातावरण के लिए जाना जाता है। 'स्त्री' सीरीज की फिल्मों की

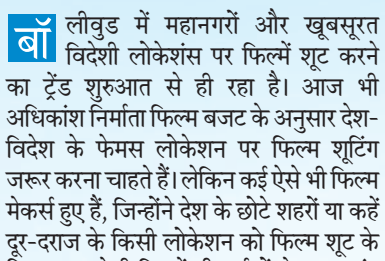
फिल्म 'स्त्री' से लाइमलाइट में आया चंदेरी

शूटिंग मुख्यतः चंदेरी में हुई। 'स्त्री' के अलावा यहां वरुण धवन और अनुष्का शर्मा स्टारर 'सुई धागा-मेड इन इंडिया' की भी शूटिंग हुई थी। चंदेरी अपनी साड़ियों के लिए भी मशहूर है। चंदेरी की भोली-भाली स्त्री के गेटअप के लिए अनुष्का शर्मा को चंदेरी की ही साड़ी पहनाई गई थी।

मांडवा और मंडावा: सुनने में दोनों एक जैसे नाम हैं लेकिन ये दोनों जगहें एक-दूसरे से काफी दूर हैं। मांडवा महाराष्ट्र के रायगढ़ का एक गांव है, जबकि मंडावा राजस्थान के झुंझुनू का एक कस्बा है। मांडवा को फिल्म प्रेमी अमिताभ बच्चन और ऋतिक रोशन अभिनीत 'अग्निपथ' फिल्म सीरीज के कारण ज्यादा जानते हैं। हालांकि ऋतिक की 'अग्निपथ' में दिखाए गए दृश्य असल में मांडवा के न होकर खूबसूरत दीउ द्वीप के हैं।

राजस्थान का मंडावा, आधुनिक जीवनशैली और विकास की चमक-दमक से दूर अपनी हवेलियों, किलों के लिए मशहूर है। पिछले एक दशक में यहां दर्जनों हिट फिल्में शूट हो चुकी हैं।

'बजरंगी भाईजान' में दिखा मंडावा

मंडावा की शानदार स्नेही राम लाडिया हवेली में 'पीके', 'बजरंगी भाईजान', 'लव आजकल', 'जब वी मेट', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'कच्चे धागे', 'दिल्ली चलो' जैसी फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। 180 साल पुरानी इस हवेली की दीवारों पर चित्रकारी मुगल, पर्शियन और इंडियन आर्ट के समावेश से की गई है। यही कारण है कि कबीर खान जब 'बजरंगी भाईजान' में पाकिस्तान की गलियों का सीन दिखाना चाहते थे तो मंडावा में शूटिंग के लिए आए।

सेंट पॉल स्कूल: दार्जिलिंग के जलपहार में स्थित सेंट पॉल स्कूल वही स्कूल है, जहां शाहरुख खान की सुपरहिट फिल्म 'मैं हूं न' की शूटिंग हुई थी। समुद्र तल से 7800 फीट की ऊंचाई पर स्थित सेंट पॉल स्कूल को दुनिया में सबसे ऊंचाई पर स्थित स्कूल माना जाता है। स्कूल से दिखने वाली कंचनजंगा की पहाड़ियां और स्कूल बिल्डिंग का बेहतरीन आर्किटेक्चर फिल्म निर्माताओं को यहां खींच लाता है। यहां शूटिंग की परंपरा काफी पुरानी है। बी. आर. चोपड़ा की 'हमराज', राजकपूर की 'मेरा नाम जोकर', दुलाल गुहा की 'दो अनजाने', प्रियंका चोपड़ा, रणबीर कपूर स्टारर 'बर्फी' जैसी फिल्मों के अहम हिस्से यहां फिल्माए गए हैं।

महेश्वर घाट: नर्मदा की चंचल लहरों के किनारे स्थित इंदौर का खूबसूरत महेश्वर घाट कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा

महेश्वर घाट में हुई 'पैडमैन' की शूटिंग

पटौदी पैलेस में फिल्माई गई 'एनिमल'

चुका है। फिल्म 'पैडमैन' के अनेक दृश्य इस घाट पर फिल्माए गए हैं। यही नहीं कंगना रनोट अभिनीत फिल्म 'मणिकर्णिका' के कई महत्वपूर्ण दृश्य भी यहां फिल्माए गए। 'दबंग-3' का टाइटल सांग, 'नीरजा' और 'बाजीराव मस्तानी' के भी कुछ दृश्य यहां शूट हुए।

पटौदी पैलेस: हालिया रिलीज फिल्म 'एनिमल' की शूटिंग गुरुग्राम स्थित पटौदी पैलेस में हुई थी। फिल्म में दिखाया गया रणबीर कपूर का घर असल में पटौदी पैलेस ही है। यश चोपड़ा की सुपरहिट फिल्म 'वीर-जारा' की शूटिंग भी

सेंट पॉल स्कूल में हुई 'मैं हूं न' की शूटिंग

पटौदी पैलेस में ही हुई थी। 'मंगल पांडेः द राइजिंग' का एक बड़ा हिस्सा शूट करने के लिए पटौदी हाउस को चुना गया था। इसके अलावा 'गांधी माय फादर', 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'तांडव' जैसी कई फिल्में भी यहां फिल्माई गईं।

कुछ अन्य ऑफबीट फिल्मी लोकेशंस: 26/11 के आतंकी हमलों पर आधारित फिल्म 'फैंटम' को पंजाब के एक गांव मलेरकोटला में शूट किया गया है। कानपुर के बिठूर, काकादेव, शिवाला, माल रोड, मोतीझील, भैरव घाट में भी कई फिल्में शूट हो चुकी हैं। महाराष्ट्र के वाई गांव में चर्चित फिल्म 'स्वदेश' की शूटिंग हुई थी। 'दबंग' फिल्म में वाई गांव को उत्तर प्रदेश के लालगंज के रूप में दिखाया गया है, जबकि 'स्वदेश' फिल्म में यह उत्तर प्रदेश के चरणपुर के रूप में दिखाया गया था। *